CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 240 ता. 05 मार्च 2021, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

इस बार झुलसाएगी गर्मी, 120 सालों में तीसरी बार सबसे कम सर्दी पड़ी,

नई दिल्ली। साल 1901 में जब से भारतीय मौसम विभाग ने रिकॉर्ड रखना शुरू किया, तब से आज तक कुल 120 सालों में इस साल की सर्दी तीसरी सबसे गर्म सर्दी रही यानी तीसरा सबसे कम सर्दी वाला मौसम रहा। खास बात यह कि शीतलता प्रदान करने वाली भौगोलिक घटना ला-नीना के असर के बावजूद जनवरी से फरवरी के बीच सर्दी गर्म रही। बीते 120 साल के दौरान सर्दी से जुड़े कुछ रोचक आंकड़े ये हैं- मौसम विभाग के अनुसार इस साल सर्दी के दौरान देश के सभी हिस्सों में अधिक तापमान दर्ज किया गया। पश्चिमोत्तर, पूर्वोत्तर, मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय हिस्सों में तापमान अधिक दर्ज किया गया। 14.78 डिग्री सेल्सियस के साथ पिछले जनवरी महीने का औसत तापमान 62 साल में सर्वाधिक रहा, जबकि इस दौरान दक्षिण भारत का तापमान 22.33 रहा जो पिछले 120 साल में सर्वाधिक है। इस अवधि में मध्य भारत का तापमान 14.82 रहा जो 38 साल में सर्वाधिक है। देश में सबसे गर्म जनवरी वर्ष 2019 में रही जब औसत तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मार्च-मई में झुलसाएगी गर्मी-गंगा के मैदानी क्षेत्रों (आईजीपी-इंडो गैंगेटिक प्लेन) में इस साल भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आईजीपी के दायरे में हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और यूपी आते हैं, जहां दिन में भीषण गर्मी पड़ेगी और रात का तापमान भी अधिक रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान के 0.56 से लेकर 0.71 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहने के अनुमान हैं। इसी तरह न्यूनतम तापमान के भी 0.12 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने के अनुमान हैं।

ग्रीनहाउस गैसों ने बिगाड़ा संतुलन-पुणे स्थित भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान के डॉ. रॉक्सी मैथ्यू कोल कहते हैं कि इस साल महासागर से जुड़ी भौगोलिक घटना ला-नीना के बावजूद तापमान बढ़ा है।

16 महीने बाद विदेश जाएंगे पीएम मोदी

25 मार्च को बांग्लादेश जा सकते हैं मोदी, मई में पुर्तगाल और जून में जी 7 में हिस्सा लेने ब्रिटेन जाएंगे

नई दिल्ली। देश में वैक्सीनेशन में तेजी और पाबंदियों में लगातार दी जा रही ढील के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डिप्लोमैटिक कैलेंडर काफी व्यस्त रहने वाला है। प्रधानमंत्री इसकी शुरुआत 25 मार्च को बांग्लादेश के दौरे से करेंगे। यहां वे शेख मुजीबुर रहमान के शताब्दी समारोह में हिस्सा लेंगे और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात भी करेंगे। मोदी पिछले एक साल से वर्चुअली ही कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने आने वाले दिनों में डिप्लौमैटिक दौरों पर जाने का मन बना लिया है। जल्दी ही वे बांग्लादेश के अलावा पुर्तगाल और ब्रिटेन जैसे देशों के दौरे पर भी जाएंगे। अगर ऐसा हुआ, तो 16 महीने बाद प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे पर जाएंगे।

आखिरी बार नवंबर 2019 में विदेश दौरा किया था

प्रधानमंत्री मोदी का आखिरी विदेश दौरा 13 से 15 नवंबर 2019 में ब्राजील का था। उस समय मोदी BRICS में शामिल होने गए थे। मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तब से 2020 पहला साल रहा, जब वे किसी विदेश दौरे पर नहीं जा पाए। 2019 में मोदी साल के 35 दिन विदेश में थे, लेकिन 2020 में वे भारत में ही रहे।

- प्रधानमंत्री इसकी शुरुआत 25 मार्च को बांग्लादेश के दौरे से करेंगे। यहां वे शेख मुजीबुर रहमान के शताब्दी समारोह में हिस्सा लेंगे और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात भी करेंगे। मोदी पिछले एक साल से वर्चुअली ही कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने आने वाले दिनों में डिप्लौमैटिक दौरों पर जाने का मन बना लिया है। जल्दी ही वे बांग्लादेश के अलावा पुर्तगाल और ब्रिटेन जैसे देशों के दौरे पर भी जाएंगे। अगर ऐसा हुआ, तो 16 महीने बाद प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे पर जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी का आखिरी विदेश दौरा 13 से 15 नवंबर 2019 में ब्राजील का था।

अप्रैल में बोरिस जॉनसन भारत आ सकते हैं

अप्रैल में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भारत आ सकते हैं। इससे पहले वे गणतंत्र दिवस पर चीफ गेस्ट के रूप में भारत आने वाले थे, लेकिन ब्रिटेन में कोरोना के बिगड़ते हालात की वजह से उनका दौरा रद्द करना पड़ा था। हालांकि अब तक बोरिस के दौरे का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। उन्होंने जी7 समिट से पहले भारत आने की इच्छा जाहिर की थी।

बोरिस के दौरे के बारे में ब्रिटिश हाईकमिशन ने के प्रवक्ता ने बताया कि च के प्रधानमंत्री साल के पहले हाफ में और जून में प्रस्तावित जी7 समिट से पहले भारत के दौरे पर जा सकते हैं।

मई में पुर्तगाल का दौरा

मई में भारत और यूरोपियन यूनियन के नेता मुलकात कर सकते हैं। इसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पुर्तगाल रवाना हो सकते हैं। भारत और यूरोपीय युनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर पिछले कई साल से संपर्क में हैं। कोरोना के बाद इकोनॉमी में सुधार और इंटरनेशनल टेररिज्म जैसे मुद्दों पर भी इस दौरे का फोकस हो सकते हैं।

जून में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे

प्रधानमंत्री मोदी जून में ब्रिटेन जाएंगे। यहां वे जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। कॉर्नवाल में होने वाली समिट के लिए मोदी को ब्रिटेन ने न्यौता भेजा था। जी7 में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन शामिल हैं।

चीनी हैकरों के निशाने पर भारतीय साइबर स्पेस

एजेंसियों ने बताया क्यों आक्रामक हुए चीन के साइबर हमलावर

नई दिल्ली। भारत का साइबर स्पेस चीन के हैकरों के निशाने पर है। पिछले एक साल से चीनी हैकरों की तरफ से भारतीय संगठनों के साइबर स्पेस को हैक करने की आक्रामक तरीके से कोशिश की जा रही है। भारतीय साइबर स्पेस की सुरक्षा पर नजर रखने वाले एजेंसियों ने यह जानकारी दी है। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने ग्राहकों को चीन के हैकरों से सतर्क रहने को कहा है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने ग्राहकों को चीन समर्थित हैकरों से सावधान किया है।

हमलों में आई तेजी-कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-आइएन) और नेशनल क्रिटिकल इंफॉरमेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआइआइपीसी) जैसे विभिन्न सरकारी संगठन गलवन घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद चीन के हैकरों के हमलों और कोशिशों पर लगातार नजर रख रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि पिछले एक साल के दौरान चीन से हैकिंग की कोशिशें बढ़ी हैं। गलवन घाटी में झड़प के बाद भारत द्वारा चीन के एप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद हमलों में और तेजी आ गई।

भारत बायोटेक और सीरम को बनाया था निशाना

हाल ही में रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि भारत में कोरोना वैक्सीन बनाने और वितरण करने वाली दो कंपनियों-भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के आइटी सिस्टम को चीन के हैकरों ने निशाना बनाया था। एपीट10 जिसे स्टोन पांडा के नाम से भी जाना जाता है, उसकी की तरफ से इन कंपनियों के डाटा चुराने की कोशिश की गई थी। सूत्रों ने दावा किया कि सीईआरटी-आइएन द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के कोर गढ़ को ध्वस्त करेंगे सुरक्षाबल, चलेगा अभियान

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ का जंगल, नक्सलियों का सुरक्षित अभेद्य किला नहीं रह पाएगा। भागकर दुर्गम जंगलों में पनाह लेने वाले नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों ने खास रणनीति पर काम शुरू किया है। सरकार की गर्मियों में नक्सल के खिलाफ आरपार की कार्रवाई की रणनीति को अंजाम देने की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। केंद्रीय सशस्त्र बल, स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर इन जंगलों में अभियान चलाएंगे और नक्सलियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि कई स्तरों पर नक्सलरोधी रणनीति पर मंथन चल रहा है। सुरक्षा बल नक्सलियों के कोर गढ़ में घुसकर कार्रवाई कर रहे हैं। सशस्त्र बल तकनीक की मदद से आगे बढ़ रहे हैं। खुफिया समन्वय पर खास जोर दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने इसी साल कोहकामेटा थाना दोबारा शुरू किया है, इसे पहले नक्सलियों ने बंद करवा दिया था। इससे साफ संकेत मिला है कि नक्सल के कोर गढ़ में बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने की रणनीति पर काम हो रहा है।

सीआरपीएफ की बस्तरिया बटालियन की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट में बस्तर टाइगर्स नाम से विशेष पुलिस बल के गठन की घोषणा की है। इसे भी नक्सल रोधी अभियान की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके अलावा आकाबेड़ा, सोनपुर, बासिंग व कुकड़ाझोर में सुरक्षा बलों के कैंप बन गए हैं। पिछले दिनों ऑपरेशन संगम के तहत कांकेर व नारायणपुर से सुरक्षा बल माड़ के जंगल में घुसे थे। इस दौरान जवान सघन जंगलों में काफी दूर तक गए और नक्सलियों के ठिकानों को ध्वस्त किया।

नक्सली गैरकानूनी तरीके से चलाते हैं शासन-गौरतलब है कि अबूझमाड़ का जंगल मध्य भारत के सबसे दुर्गम जंगलों में से एक है। यह 44 सौ वर्ग किमी में फैला है। यहां गैरकानूनी तरीके से नक्सली अपना शासन चलाते हैं। सघन जंगल के इलाको में कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों को भी काफी नुकसान उठाना पड़ता है। सुरक्षाबलों का नुकसान कम से कम हो इसके लिए सटीक खुफिया जानकारी और तकनीकी उपकरणों के आधार पर नक्सल गतिविधियों का पता लगाकर ऑपरेशन की रणनीति पर काम हो रहा है।

दो नए फ्लैग ऑफिसर्स ने संभाला दक्षिणी नौसेना कमान में प्रभार

नई दिल्ली। रियर एडमिरल एंटनी जॉर्ज ने दक्षिणी नौसेना कमान के नए चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्यभार संभाला और रियर एडमिरल राजेश धनखड़ को एसएनसी के चीफ स्टाफ ऑफिसर (ट्रेनिंग) का पदभार सौंपा गया । एक डिफेंस रिलीज के अनुसार, दोनों फ्लैग अधिकारी भारतीय नौसेना अकादमी के पूर्व छात्र हैं और क्रमशः 1 जुलाई, 1987 और 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में कमीशन किए गए थे। रियर एडमिरल जॉर्ज एक एंटी सबमरीन वारफेयर विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने ऑनबोर्ड फ्रंटलाइन ASW जहाजों को सेवा दी है और मिसाइल कॉर्वेट INS

खंजर, साथ ही निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तर्कश की कमान संभाली है। एक फ्लैग ऑफिसर के रूप में, उन्होंने नौसेना मुख्यालय में नौसेना स्टाफ (स्टाफ रिक्वायरमेंट्स) के पहले सहायक प्रमुख के रूप में कार्य किया, जिसके बाद उन्होंने फरवरी, 2020 को मुख्य कर्मचारी अधिकारी (ट्रेनिंग), एसएनसी के रूप में पदभार संभाला। रियर एडमिरल राजेश धनखड़ नेविगेशन और दिशा में एक विशेषज्ञ है और उन्होंने नेवीगेटिंग ऑफिसर और ऑपरेशंस ऑफिसर के रूप में फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर काम किया है। रियर एडमिरल जॉर्ज नौ सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त कर चुके हैं।

मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी गैंग के दो शूटर एनकाउंटर में ढेर, 50 हजार का था इनाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में यूपी एसटीएफ और बाइक सवार दो बदमाशों की गुरुवार सुबह मुठभेड़ हो गई। घेराबंदी करने पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी जिसपर एसटीएफ ने इधर से भी गोली चलाई। फायरिंग में दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छानबीन में पता चला मारे गए बदमाश 50,000 इनामी है और प्रयागराज में एक राजनीतिक व्यक्ति की हत्या के इरादे से आए थे।

सीओ एसटीएफ नवेन्दु सिंह ने बताया कि मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी गैंग के लिए काम करने वाले दो सुपारी किलर के बारे में सूचना मिली थी। पता चला था कि मुन्ना बजरंगी की मौत के बाद भदोही का 50 हजार इनामी वकील पांडेय और अमजद उर्फ पिंटू चाका के पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा के लिए काम करने लगे हैं। इसी सूचना पर गुरुवार सुबह एसटीएफ की टीम नैनी सोमेश्वर नाथ मंदिर तिराहा के पास चेकिंग कर रही थी। इस

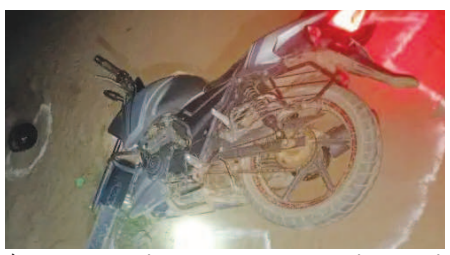

दौरान बाइक सवार दो बदमाश उधर से गुजरे। एसटीएफ को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। घेराबंदी करके एसटीएफ ने भी गोली चलाई, जहां पर दोनों बदमाश घायल हो गए। उन्हें स्वरूपरानी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एसटीएफ की मानें तो मुठभेड़ में मारे गए बदमाश सुपारी किलर थे। वाराणसी में दिनदहाड़े डिप्टी जेलर अनिल त्यागी की हत्या की थी। इसके अलावा वर्तमान में रांची जेल में बंद कोयला व्यापारी की हत्या का आरोपी अमन सिंह ने वहां के एक डिप्टी जेलर की हत्या की सुपारी दोनों शूटरों को थी। इस बात की भी जानकारी मिली है कि प्रयागराज में भी कोई सनसनीखेज वारदात को अंजाम देना था। मुठभेड़ में मारे गए बदमाशों के पास से 32 बोर और 9 एमएम की पिस्टल कारतूस और बाइक मिला है।

बिहार में आज से इंटर परीक्षा का मूल्यांकन

15 मार्च तक होगी कॉपी जांच

पटना। बिहार में इंटरमीडिएट उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन आज यानी पांच मार्च से शुरू हो रहा है। मूल्यांकन के लिए प्रदेशभर में 130 केंद्र बनाये गये हैं। पिछले साल की तुलना में चार केंद्र ज्यादा बनाए गए हैं। बिहार बोर्ड की मानें तो 2020 में 126 केंद्रों पर कॉपी जांची गयी थी। पटना जिले में आठ मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। ज्ञात हो कि मूल्यांकन पांच से 15 मार्च तक किया जायेगा। इसके लिए सभी जिलों के ब्रजगृह से उत्तरपुस्तिका केंद्रों पर भेज दी गयी है। विषयवार शिक्षकों की सूची ऑनलाइन बोर्ड वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। इसके साथ ही सभी डीईओ कार्यालय में नियुक्ति पत्र की हार्ड कॉपी बोर्ड द्वारा भेजी गई है। मुख्य परीक्षक के अंदर में औसतन दस से 12 सह परीक्षक रहेंगे। ज्ञात हो कि पहले इंटर मूल्यांकन 25 फरवरी से आठ मार्च तक निर्धारित किया गया था। लेकिन इसके तिथि में बदलाव कर दिया गया है।

कॉपी जांच के साथ ही अंक होंगे प्रविष्ट

सह परीक्षकों द्वारा कॉपी जांचने के साथ ही उसी दिन कंप्यूटर पर अंकों को प्रविष्ट किया जायेगा। इसके लिए हर केंद्र पर विषयवार एमपीपी (मार्क्स पोस्टिंग पर्सनल) रखें जायेंगे। हर केंद्र के लिए एमपीपी नियुक्ति किये गये है। कॉपी जांच के साथ ही अंक को कंप्यूटर पर रखा जायेगा जिससे रिजल्ट तैयार करने में आसानी होगी। एमपीपी, सह-परीक्षक बोर्ड वेबसाइट से भी अपना नियुक्ति पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

चार मार्च को करें योगदान नहीं तो होगी कार्रवाई

बिहार बोर्ड की मानें तो चार मार्च

बिहार बोर्ड की मानें तो 2020 में 126 केंद्रों पर कॉपी जांची गयी थी। पटना जिले में आठ मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं।

को योगदान अनिवार्य रूप से करना है। निर्धारित तिथि को मूल्यांकन केंद्र पर योगदान नहीं करने की स्थिति में बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम 1981 धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

एक पाली में होगा मूल्यांकन

इस बार उन विषयों का मूल्यांकन एक पाली में की जायेगी जिस विषय में शिक्षकों की संख्या कम है। मूल्यांकन सुबह साढ़े नौ से शाम पांच बजे तक चलेगा। अगर परीक्षक चाहे तो वो शाम सात बजे तक मूल्यांकन कर सकते हैं। ज्ञात हो कि पहले बोर्ड ने दो पाली में मूल्यांकन करना निर्धारित किया गया था।

सार समाचार

अमेठी में लगभग ढाई करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार

अमेठी (उप्र)। अमेठी पुलिस ने लगभग ढाई करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अमेठी के पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को पुलिस ने दो लोगों जोखन सिंह और गौतम सिंह को ग्राम मंगौली से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि जोखन के कब्जे से दो किलो 650 ग्राम स्मैक बरामद हुई जिसकी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग दो करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक है तथा गौतम के कब्जे से चार किलो 150 ग्राम डोडा (अफीम से संबंधित एक नशीला पदार्थ) बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशीले पदार्थ बाराबंकी से लाते थे।

केजरीवाल सरकार विज्ञापन के जरिए दिल्ली की स्थिति को लेकर आम लोगों को कर रही भ्रमित: मनोज तिवारी

बलिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल सरकार विज्ञापन के जरिये दिल्ली की स्थिति को लेकर आम लोगों को भ्रमित कर रही है। दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष तिवारी ने बलिया जिले में रसड़ा क्षेत्र के कोटवारी ग्राम में संवाददाताओं से बातचीत में दिल्ली सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली में विद्यालयों की स्थिति खराब होने का दावा करते हुए कहा कि 'बदतर' शिक्षण व्यवस्था के कारण दिल्ली में पिछले पांच साल में 4.98 लाख छात्र अनुत्तीर्ण हो चुके हैं और विद्यालयों में रोजाना केवल डेढ़ घंटे का शिक्षण कार्य ही होता है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार के विज्ञापन का बजट देश के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। तिवारी ने कहा कि केन्द्र सरकार शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और गांव स्तर पर सस्ती शिक्षा मुहैया कराने के लिए प्रयास चल रहे है। उन्होंने कहा कि कि भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और विद्यालयों में भोजपुरी में पढ़ाई कराने को लेकर वह प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक पारी की शुरुआत से पहले आखिरी बार दिल्ली मेट्रो की वर्दी में दिखे श्रीधरन

कोच्चि। भाजपा के साथ अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने से पहले और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ 24 साल लंबे कॅरियर के आखिरी समय में 'मेट्रोमैन' ई श्रीधरन बृहस्पतिवार को डीएमआरसी की वर्दी में दिखे। श्रीधरन (88) ने अपनी निगरानी में यहां एक फ्लाईओवर का निर्माण कार्य समय से काफी पहले पूरा होने की घोषणा करते हुए कहा, ''यह अंतिम दिन होगा जब मैं वर्दी पहनूंगा।'' श्रीधरन को बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने में दक्षता के लिए जाना जाता है। श्रीधरन हाल में भाजपा में शामिल हुए हैं। डीएमआरसी की वर्दी पहने श्रीधरन ने पलारीवत्तम फ्लाईओवर को उद्घाटन के लिए केरल सरकार के सड़क एवं पुल विकास निगम (आरबीडीसी) को सौंपने से पहले बृहस्पतिवार सुबह उसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर के पुनर्निर्माण का काम पिछले साल सितंबर में शुरू हुआ था और अब यह तैयार है। राज्य सरकार इसके उद्घाटन की तिथि पर फैसला कर सकती है। उन्होंने कहा, ''मैंने डीएमआरसी की वर्दी पहली बार दिल्ली में 1997 में पहनी थी और पिछले 24 साल से मैं यही कर रहा हूं।''

झारखंड के चाईबासा में नक्सलियों ने किया आईईडी विस्फोट, तीन सुरक्षाकर्मी शहीद

चाईबासा। झारखंड में चाईबासा जिले के टोकलो थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की सुबह नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर एक आईईडी विस्फोट किया जिसमें तीन जवान शहीद हो गये जबकि दो जवान घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि टोकलो थाना क्षेत्र के लांजी जंगल में सुबह हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए गठित झारखंड जगुआर के तीन जवान शहीद हो गये जबकि जगुआर बल और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक-एक जवान घायल हो गया। इन जवानों को हेलीकॉप्टर से बेहतर इलाज के लिए रांची लाया गया है।

राज्यपाल की कार के बोनट पर प्रहार करते वक्त राष्ट्र ध्वज का अपमान किया गया: जयराम ठाकुर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल की कार के बोनट को निशाना बनाते वक्त राष्ट्र ध्वज का अपमान किया। विधानसभा में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल की कार पर तिरंगा झंडा लगा होता है और कांग्रेस के सदस्यों ने इसका अपमान किया। विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री और चार अन्य कांग्रेस विधायकों - हर्ष वर्धन चौहान, सतपाल रायजादा, सुंदर सिंह और विनय कुमार को राज्यपाल से दुर्व्यवहार करने के आरोप में शुक्रवार को बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया।

उच्च शिक्षा का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्राथमिक विद्यालयों पर ध्यान देना जरूरी: आनंदीबेन

प्रयागराज। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत 2030 तक 50 प्रतिशत युवाओं को उच्च शिक्षा का लक्ष्य तभी हासिल हो सकेगा जब प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाए। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रदेश की आंगनवाड़ियों में सभी मूलभूत जरूरतों को उपलब्ध कराने के लिए सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों से इन आंगनवाड़ियों को गोद लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'पूरे प्रदेश में 30-31 सरकारी विश्वविद्यालय और 40-50 निजी विश्वविद्यालय हैं। इनके साथ 50,000 से अधिक कॉलेज हैं। यदि एक-एक कालेज प्रदेश की सभी आंगनवाड़ियों को गोद लें तो इन आंगनवाड़ियों को वे सभी चीजें मिल जाएंगी, जो हम चाहते हैं।'

पटेल ने कहा, 'दहेज जैसी कुरीतियों का हल शिक्षा है। एक बार मैंने जेल देखने का मन बनाया और 15-18 साल की लड़कियों को अपने साथ महिला जेल दिखाने गई। वहां उन लड़कियों ने महिला कैदियों से बातचीत की जिससे पता चला कि लगभग 325 महिलाओं को दहेज के लिए बहू की हत्या करने के लिए सजा हुई है।' उन्होंने कहा कि लड़कियों को जेल दिखाने का मकसद उन बुराइयों से रूबरू कराना था जिनकी वजह से महिलाएं जेल में सड़ती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के जरिए इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सामूहिक चिंतन की जरूरत है और विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को जागरूक करें। इस मौके पर भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा, 'मुक्त शिक्षा, शिक्षार्थी केंद्रित है जिसमें विद्यार्थी अपनी गति एवं जरूरत के मुताबिक विषय वस्तु को सीखता है।'

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन में भी इस विश्वविद्यालय को प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाते हुए इस विश्वविद्यालय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना करके एक सार्थक पहल की है। दीक्षांत समारोह में 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया गया और अन्य छात्रों को विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह का भी उद्घाटन किया।

सिद्धू ने कृषि कानूनों को बताया असंवैधानिक, बोले- यह राज्यों के अधिकारों पर केंद्र का हमला है

चंडीगढ़। नये कृषि कानूनों को ''असंवैधानिक एवं गैर कानूनी'' करार देते हुए पंजाब के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह संघीय ढांचे और कानून बनाने के राज्यों के अधिकारों पर केंद्र का हमला है। उन्होंने कहा कि नये कानूनों से पंजाब में जमीन नीलाम होने लगेगी और उसके बाशिंदे 'दास' बनकर रह जायेंगे। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार से इन कानूनों का विरोध कर रहे लोगों की 'आकांक्षाएं' पूरी करने के लिए 'साहसिक एवं ठोस कदम' उठाने की मांग की। उन्होंने यहां संवाददताओं से कहा, '' नये कृषि कानून असंवैधानिक और गैर कानूनी हैं। यह संघीय ढांचे और कानून बनाने के राज्यों के अधिकारों पर केंद्र का हमला है। '' किसानों के वर्तमान आंदोलन का जिक्र करते हुए सिद्धू ने कहा कि कृषक समुदाय कभी भी लड़ाई नहीं हारा है। पंजाब विधानसभा ने तीन नये कृषि कानूनों को निष्प्रभावी बनाने के लिए पिछले साल विधेयक पारित किये थे जो राज्यपाल के पास लंबित हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पंजाब सरकार द्वारा दालों एवं तिलहनों पर दिया जाना चाहिए। इससे कृषि विविधिकरण में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी को मिलेगा वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार, सेरावीक कॉन्फ्रेंस को भी करेंगे संबोधित

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले सप्ताह वार्षिक अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन में 'सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व' पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री 'सेरावीक कॉन्फ्रेंस-2021' को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन डिजिटल तरीके से एक से पांच मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक 'आईएचएस मार्किट' ने यह जानकारी दी। इस सम्मेलन के नामी वक्ताओं में पर्यावरण के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन केरी, 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' के सह अध्यक्ष और 'ब्रेकथ्रू इनर्जी बिल गेट्स' के संस्थापक और सऊदी अरामको के अध्यक्ष एवं सीईओ अमीन नासेर होंगे।

'आईएचएस मार्किट' के उपाध्यक्ष और कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डेनियल येरगिन ने कहा, ''हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की भूमिका पर दृष्टिकोण जानने के लिए उत्सुक हैं। देश की तथा पूरी दुनिया की भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भारत के नेतृत्व का विस्तार करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए प्रधानमंत्री को 'सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित करने हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास, गरीबी घटाना और नए ऊर्जा भविष्य के पथ पर आगे बढ़ते हुए भारत वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण के एक केंद्र के तौर पर उभरा है और वैश्विक ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करते हुए अच्छे भविष्य के लिए जलवायु परिवर्तन संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उसका नेतृत्व महत्वपूर्ण है। वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ऊर्जा उद्योग के प्रतिनिधि, विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, नीति निर्माता, प्रौद्योगिकी, आर्थिक और उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोग और ऊर्जा प्रौद्योगिकी के नवोन्मेषकर्ता हिस्सा लेंगे।

पश्चिम बंगाल में शिवसेना नहीं लड़ेगी चुनाव, तृणमूल कांग्रेस को दिया समर्थन

कोलकाता। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी के बाद शिवसेना ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को बृहस्पतिवार को अपना समर्थन दिया और कहा कि वह पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। ममता बनर्जी को 'बंगाल की असली शेरनी' बताते हुए शिवसेना ने तृणमूल कांग्रेस के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने का संकल्प लिया। पार्टी ने पूर्व में कहा था कि वह राज्य में चुनावी मुकाबले में उतरेगी। शिवसेना के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने एक ट्वीट कर इसकी घोषणा की और कहा कि पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा के बाद यह फैसला किया गया। राउत ने कहा कि इस वक्त ''दीदी बनाम अन्य सभी'' का मुकाबला प्रतीत हो रहा है। राउत ने कहा, ''बहुत लोग यह जानना चाहते थे कि शिवसेना पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ेगी या नहीं? पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे जी के साथ चर्चा के बाद यह फैसला किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''ममता दीदी के खिलाफ धन-बल, मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा। इसलिए शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ने और उनके साथ खड़ा रहने का फैसला किया है। हम ममता दीदी की जबरदस्त सफलता की कामना करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि वह बंगाल की असली शेरनी हैं।'' तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने राउत के ट्वीट को रीट्वीट किया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने कहा, ''हम शिवसेना के फैसले का स्वागत करते हैं। पश्चिम बंगाल चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने के लिए हम शिवसेना का शुक्रिया अदा करते हैं।''

बहरहाल, भाजपा ने घटनाक्रम को बहुत तवज्जो नहीं दी। भाजपा के प्रदेश महासचिव सायंतन बसु ने कहा, ''बंगाल में शिवसेना, राजद या सपा का क्या जनाधार है? बंगाल में उनकी कोई मौजूदगी नहीं है। कोई मायने नहीं रखता कि कौन उनका समर्थन करता है, कौन नहीं। यह हास्यास्पद है।'' पिछले दिनों राजद नेता तेजस्वी यादव ने राज्य सचिवालय 'नाबन्ना' में बनर्जी से मुलाकात की थी और तृणमूल कांग्रेस को समर्थन दिया था।

नाना पटोले ने चंदा मांगने वालों से पूछा, 30 साल पहले मंदिर निर्माण के लिए दिए थे पैसे, वो कहां हैं

मुंबई। (एजेंसी)।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर से चंदा वसूला जा रहा है। इसी मामले में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले का बयान सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने कहा है कि अगर राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा नहीं दिया तो आपको धर्म से बाहर निकाल दिया जाएगा।

समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि भगवान श्री राम जी के नाम पर चंदा मांगने वाले कुछ लोग मेरे पास आए। मैंने उनसे पूछा कि 30 साल पहले आप मंदिर बनाने के लिए पैसे लेकर गए थे तो वो पैसे कहां है। तो उन्होंने कहा कि अगर आप ने पैसे नहीं दिए तो आपको धर्म से बाहर निकाल देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने उन लोगों से पूछा कि क्या आप लोगों को हिन्दू धर्म का ठेकेदार बनाया गया है ? उल्लेखनीय है कि नाना पटोले अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में छाए रहते हैं। कभी वह अभिनेता अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार को मुंबई में शूटिंग नहीं करने देने की चुनौती देते हैं तो कभी दावा करते हैं कि भाजपा ने पार्टी पद पर एक बांग्लादेशी को जगह दी है।

ब्राजील के उपग्रह प्रक्षेपण के बाद अब भारत इटली के साथ कर रहा अवसरों की तलाश

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

भारत और इटली ने धरती पर्यवेक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान और रोबोटिक तथा मानवीय अन्वेषण के क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने का फैसला किया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल में ब्राजील के उपग्रह का प्रक्षेपण किया है। अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने की रणनीति के हिस्से के तौर पर इसरो तथा इटैलियन स्पेस एजेंसी (एएसआई) के बीच बुधवार को डिजिटल तरीके से द्विपक्षीय बैठक हुई। इसरो के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग में सचिव के. सिवन और एएसआई के अध्यक्ष जियोंजियो साकोसिया ने अपने-अपने प्रतिनिमंडल का नेतृत्व किया। इसरो की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने पहले से जारी सहयोग की समीक्षा की और विषय आधारित कामकाजी समूह के गठन पर सहमति जताई जो धरती पर्यवेक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक अन्वेषण एवं मानवीय अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की तलाश करेंगे।'' गौरतलब है कि 28 फरवरी को इसरो ने श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से ब्राजील के उपग्रह अमेजनिया-1 का सफल प्रक्षेपण किया था। प्रक्षेपण के वक्त ब्राजील के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष मंत्री मार्कोस पोनटेस मौजूद थे और बाद में उन्होंने तथा उनके प्रतिनिधिमंडल ने सिवन के नेतृत्व में इसरो के दल के साथ बैठक कर द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जताई थी। सिवन ने ऑस्ट्रेलिया की अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख एनरिको पालेंमो के साथ भी 17 फरवरी को ऑनलाइन बैठक की थी।

पितृत्व अवकाश को है एक अदद कानून की दरकार, कुछ निजी कंपनियों में है यह खास सुविधा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पिता बनने के दौरान भारतीय कप्तान विराट कोहली क्रिकेट मैदान से दूर रहे, इसे लेकर इंटरनेट मीडिया पर काफी चर्चा हुई, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है-पिता बनने की जिम्मेदारी। अगर इसे कानून की निगाह से देखा जाए तो मां को कानूनन छह महीने का मातृत्व अवकाश मिलता है, पितृत्व अवकाश के लिए कोई कानून नहीं है। सर्विस रूल के तहत केंद्र सरकार पिता को 15 दिन का पितृत्व अवकाश देती है। कई निजी कंपनियों में भी पितृत्व अवकाश दिया जाता है, लेकिन इस बारे में कानून न होने से समरूपता और अनिवार्यता का अभाव है।

वर्ष 2017 में महाराष्ट्र के सांसद राजीव साटव ने पिता के हितों को संरक्षित करने के लिए पैटेरनिटी बेनीफिट बिल पेश किया था। इसमें असंगठित और निजी क्षेत्र में 15 दिन के पितृत्व अवकाश का प्रस्ताव था जो तीन माह तक बढ़ाया जा सकता था, लेकिन उनका प्रयास सिरे नहीं चढ़ सका। देश में पितृत्व अवकाश की मौजूदा स्थिति देखी जाए तो आल इंडिया सर्विस रूल के तहत केंद्र सरकार अपने पुरुष कर्मचारियों को दो बच्चों के जन्म के समय 15 दिन का सवैतनिक अवकाश देती है। अब इसको लेकर मांग तेज होने लगी है।

बच्चे के जन्म के दौरान पिता की जिम्मेदारियां हैं बढ़ती

कई जगह सीनियर एचआर एक्जीक्यूटिव रह चुकीं अदिति कहती हैं कि इस बारे में कानून होना चाहिए। लिज्जत पापड़ महिला गृह उद्योग, जबलपुर को 47 साल तक संचालित करने वाली पूर्व प्रमुख पुष्पा बेरी भी मानती हैं कि 15 दिन का पितृत्व अवकाश काफी कम है। इसे बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि बच्चे के जन्म से पिता की जिम्मेदारियां में काफी बढ़ोतरी होती है। पिता की जिम्मेदारियां बढ़ती हैं, इससे सहमत तो अमूल के एमडी आरएस सोढी भी हैं और कहते हैं कि इस समय पुरुष को एक महीने का अवकाश मिलना चाहिए। साथ ही वह तर्क देते हैं कि हर संस्था में छुट्टी के नियम समान नहीं होते- कहीं ज्यादा छुट्टियां मिलती हैं तो कहीं कम।

फिनलैंड में है सात महीने की पैरेंटल लीव

देश में पितृत्व अवकाश के लिए कोई नियम-कानून लागू नहीं है, इसीलिए यह अवकाश देना, न देना, निजी कंपनियों की मर्जी पर है। जोमैटो ने जब सभी कर्मचारियों, महिला-पुरुष दोनों के लिए 26 सप्ताह की पैरेंटल लीव पालिसी घोषित की तो सब चौंक गए। फिनलैंड में सात महीने की पैरेंटल लीव है, तो स्वीडन में 480 दिन का सवैतनिक अवकाश मिलता है। हालांकि ज्यादातर देशों में पितृत्व अवकाश की व्यवस्था या कानून नहीं है, लेकिन दुनिया की कई बड़ी कंपनियां चार से 16 सप्ताह की पैरेंटल लीव देती हैं।

15 दिन के अवकाश को और आगे बढ़ाने की जरूरत

इन्फोसिस के पूर्व एचआर हेड मोहनदास पाई कहते हैं कि 15 दिन का पितृत्व अवकाश आगे की सोच है और यह अच्छा कदम है। इसे और बढ़ाने की जरूरत दो-तीन साल बाद इसका असर देखने के बाद तय होनी चाहिए। कुछ देशों में छह- सात माह का सवैतनिक अवकाश मिलने पर वह कहते हैं कि ऐसा स्कैंडिनेवियाई देशों (उत्तरी यूरोप) में है, क्योंकि वे देश बहुत अमीर हैं। वहां प्रति व्यक्ति आय हमारे देश की अपेक्षा 12 से 20 गुना ज्यादा है। भारत गरीब देश है। यहां अवकाश तय करते समय यह भी देखना होगा कि कामकाज, उद्योग चलता रहे।

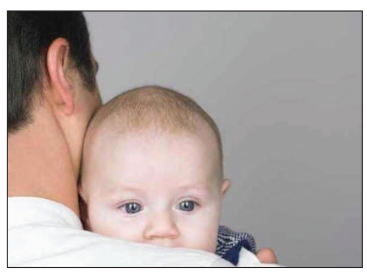

ओसवाल इंडस्ट्री के चेयरमैन जवाहर ओसवाल भी कहते हैं कि 15 दिन का पितृत्व अवकाश पर्याप्त है, क्योंकि बच्चे के जन्म पर माता और पिता की भूमिका में अंतर है। उनकी कंपनी 15 दिन का पितृत्व अवकाश देती है।

सार समाचार

चीन ने जारी की तियानवेन-1 प्रोब यान से ली गयी मंगल की तस्वीरें

बीजिंग। चीन की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगल ग्रह के इर्द गिर्द घूम रहे देश के तियानवेन-1 प्रोब यान से ली गयी मंगल की तस्वीरें प्रकाशित की है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने कहा है कि 'हाई रिजोल्यूशन' वाली इन तस्वीरों में दो 'पैन्क्रोमैटिक व्यू' वाली और एक रंगीन तस्वीर है। चीन के अंतरिक्ष यान तियानवेन-1 के हाई रिजोल्यूशन कैमरे से मंगल की सतह से करीब 330 से 350 किलोमीटर की दूरी से ये पैन्क्रोमैटिक तस्वीरें ली गयीं हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सीएनएसए के बयान का हवाला देते हुए कहा है कि इन तस्वीरों में मंगल पर मौजूद छोटे गड्ढे, पहाड़िया और टीले स्पष्ट नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दिखे सबसे बड़े गड्ढे का व्यास 620 मीटर का होने का अनुमान है। चीन ने 23 जुलाई 2020 को तियानवेन-1 को प्रक्षेपित किया था। इस यान में एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर है। सीएनएसए के मुताबिक यह यान 224 दिन और करीब 47.5 करोड़ किलोमीटर का सफर तय कर चुका है। वर्तमान में यह पृथ्वी से करीब 21.2 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है। यह 24 फरवरी को मंगल के ऊपर एक पूर्व निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर गया और तीन महीने तक कक्षा की परिक्रमा के बाद अपने लैंडिंग कैप्सूल को छोड़ेगा।

चीन को लेकर अमेरिका का बड़ा बयान, बताया अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा

वाशिंगटन। चीन के साथ अमेरिका के संबंधों को ''21वीं सदी की सबसे बड़ी भू-राजनीतिक परीक्षा'' करार देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि एशियाई देश आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और प्रौद्योगिकी क्षमता से युक्त एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जो स्थाई और मुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर चुनौती देने की क्षमता रखता है। जो बाइडन सरकार के विदेश नीति के आठ महत्वपूर्ण बिन्दुओं का खुलासा करते हुए ब्लिंकन ने कहा, ''हम 21वीं सदी की सबसे बड़ी भू-राजनीतिक परीक्षा देंगे : चीन के साथ अपने संबंधों की। रूस, ईरान और उत्तर कोरिया सहित कई देश हमारे समक्ष चुनौती पेश करते हैं और हमें यमन, इथोपिया और बर्मा में गंभीर संकट से निपटना पड़ रहा है। लेकिन चीन के कारण उत्पन्न चुनौतियां अलग हैं।''उन्होंने कहा, ''चीन आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और प्रौद्योगिकी क्षमता से युक्त एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जो स्थाई और मुक्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर चुनौती देने की क्षमता रखता है।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''वो सभी नियम, मूल्य और संबंध जो दुनिया को हमारे मुताबिक चलने देते हैं, वह इसलिए है क्योंकि अंतत- वह अमेरिका के लोगों के हितों की पूर्ति करते हैं और अमेरिकियों के मूल्यों पर चलते हैं। जब जरुरत होगी चीन के साथ हमारा संबंध प्रतियोगी होगा। जब संभव होगा सहयोगात्मक होगा और जरुरत पड़ी तो विपरीत/प्रतिकूल भी होगा।

न्यूजीलैंड में 7.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 7.2 मापी गई है। सबसे बड़ी बात यह है भूकंप के इस तगड़े झटके के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक यह भूकंप न्यूजीलैंड के उत्तरी-पूर्वी तट पर आया जिसके बाद अफरातफरी मच गई। अभी तक भूकंप से गंभीर नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं आई है। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि अभी इस बात का आकलन किया जा रहा है कि क्या भूकंप की वजह से सुनामी आ सकती है। एजेंसी ने समुद्र तट के पास रहने वाले लोगों को ऊंचे मैदानी क्षेत्रों में चले जाने की सलाह दी है। एजेंसी ने समुद्र तट के पास रहने वाले लोगों से कहा है कि यदि भूकंप के तेज झटके लंबे समय तक महसूस करते हैं तो तुरंत सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने कहा है कि शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 6.9 मापी गई है जिसका केंद्र जिस्बॉर्न शहर से लगभग 178 किलोमीटर (111 मील) दूर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। हालांकि बाद में एजेंसियों ने तीव्रता के आंकड़े में बदलाव किया।

खशोगी हत्याकांड में सऊदी युवराज पर कार्रवाई न होने से मंगेतर सेंगिज नाराज, कहा- उठाया जाए जरूरी कदम

इस्तांबुल। पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले में उनकी मंगेतर ने सऊदी अरब के युवराज मुहम्मद बिन सलमान के खिलाफ कार्रवाई न होने पर नाराजगी जाहिर की है। हैटिस सेंगिज ने कहा है कि दुनिया के नेताओं को एक हत्यारे से संबंध नहीं रखने चाहिए। अमेरिकी खुफिया संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी पत्रकार खशोगी की हत्या क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान के आदेश पर की गई। हत्याकांड में कुल 26 अधिकारी शामिल थे। सऊदी युवराज के आलोचक खशोगी अमेरिका में रहकर वाशिंगटन पोस्ट अखबार में सऊदी अरब के राजनीतिक हालात पर कॉलम लिखा करते थे। दो अक्टूबर, 2018 को जब वह अपनी शादी के लिए जरूरी दस्तावेज दाखिल करने के लिए तुर्की के इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में गए थे, तभी उनकी हत्या कर दी गई थी।

जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने को लेकर बांग्लादेश के विदेश मंत्री के साथ की वार्ता

ढाका। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष ए के अब्दुल मोमेन से मुलाकात की और उनसे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश की आगामी यात्रा की तैयारी के लिए भारत की 'पहले पड़ोसी' की नीति के तहत बृहस्पतिवार को एक दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। मोमेन ने यहां कुरमीटोला वायुसेना अड्डे पर जयशंकर का स्वागत किया। जयशंकर मोमेन के आमंत्रण पर यहां आए।

विदेश मंत्री के बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी मुलाकात करने की संभावना है। जयशंकर और मोमेन ने एक सरकारी अतिथिगृह में हुई बैठक में अपने-अपने पक्ष का नेतृत्व किया। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। ढाका में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''विदेश मंत्री एस जयशंकर ने (बांग्लादेश के) विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन के साथ सरकारी अतिथिगृह पद्म में द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक वार्ता की।'' दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे ले जाने के तरीकों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने ढाका में फिर से आने पर खुशी जताई और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए मोमेन को धन्यवाद दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''मुझे फिर से ढाका आकर खुशी हो रही है। मेरा इतनी गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए (बांग्लादेश के) विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन का शुक्रिया।'' प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश और भारत के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने और बांग्लादेश की मुक्ति की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल होने के लिए 26 मार्च को दो दिवसीय यात्रा पर यहां आएंगे। प्रधानमंत्री हसीना ने बांग्लादेश आने का उनका निमंत्रण स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया था। 'यूएनबी' संवाद समिति ने बताया था कि बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री एम शहरियार आलम ने मंगलवार को बांग्लादेश एवं भारत के गहरे संबंधों को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि उनका देश 1971 में बांग्लादेश को मिली मुक्ति की 50 वर्षगांठ मनाने के लिए 17 से 26 मार्च तक कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करेगा। आलम ने कहा था कि बांग्लादेश प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को लेकर उत्सुक है, जिससे द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। बांग्लादेशी अधिकारियों ने बताया कि मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्री ढाका और पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के बीच सीधी यात्री ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखा सकते हैं। मोदी और हसीना ने 17 दिसंबर को डिजिटल शिखर सम्मेलन में भाग लिया था, जिसमें उन्होंने हल्दीबाड़ी और चिल्हाटी के बीच ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई थी। बांग्लादेश के विदेश सचिव मासुद बिन मोमेन ने जनवरी में भारत की यात्रा की थी और इस दौरान दोनों पक्षों ने मोदी की बांग्लादेश यात्रा के कार्यक्रम पर विस्तार से विचार-विमर्श किया था। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा था कि जयशंकर बांग्लादेश की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। करीब 93,000 पाकिस्तानी बलों ने भारतीय सेना और 'मुक्ति वाहिनी' के संयुक्त बलों के आगे 16 दिसंबर, 1971 को समर्पण कर दिया था, जिसके बाद बांग्लादेश की स्थापना हुई थी।

परमाणु हथियार तैयार करने के लिए अब तानाशाह किम चल रहा यह चाल!

सियोल। उत्तर कोरिया संबंधी अध्ययन पर केंद्रित वेबसाइट 'दी 38 नॉर्थ' ने उपग्रह से हाल में प्राप्त तस्वीरों के हवाले से दावा किया कि उत्तर कोरिया अपने मुख्य परमाणु परिसर में और परमाणु हथियार बनाने के लिए संभवत- 'प्लूटोनियम' उत्खनन का प्रयास कर रहा है। कुछ हफ्ते पहले ही उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने का संकल्प लिया था। इसमें कहा गया कि उत्तर कोरिया के यांगब्योन परमाणु परिसर में स्थित कोयला आधारित बिजली संयंत्र का परिचालन दो वर्ष तक बंद रहने के बाद फिर शुरू हो गया है। उपग्रह की तस्वीरों में फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत में संयंत्र से कई बार धुआं निकलता देखा गया। वेबसाइट पर बुधवार को प्रकाशित आलेख में कहा गया कि इससे ऐसा लगता है कि ''उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों के लिए आवश्यक प्लूटोनियम के उत्खनन के लिए पहले इस्तेमाल किए जा चुके परमाणु ईंधन के पुन- प्रसंस्करण की तैयारी हो रही है।'' परमाणु हथियारों के निर्माण के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण घटक संवर्धित यूरेनियम और प्लूटोनियम हैं। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया कि इसका एक मतलब यह भी हो सकता है कि ''संयंत्र को रेडियोएक्टिव कचरे के निबटान के लिए तैयार किया जा रहा हो।'' इस हफ्ते की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रोस्सी ने कहा था कि उत्तर कोरिया में कुछ परमाणु संस्थानों का परिचालन जारी है।

अमेरिकी संसद में पेश हुआ एच-1बी वीजाधारक कर्मचारियों से संबंधित विधेयक

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में तीन सांसदों ने एक विधेयक पेश किया है जिसमें उन नियोक्ताओं को एच-1बी वीजाधारक विदेशी कर्मचारियों को नौकरी पर रखने से रोकने की बात है जिन्होंने अमेरिकी कर्मचारियों को हाल में लंबी छुट्टी पर भेज दिया है या फिर उनकी ऐसी कोई योजना है। इसमें नियोक्ताओं को अमेरिकी कर्मचारियों की अपेक्षा एस1बी धारक कर्मचारियों को अधिक भुगतान देने की बात भी है। रिपब्लिकन पार्टी के कांग्रेस सदस्य मो ब्रूक्स, मैट गाएट्ज और लांस गूडेन की ओर से पेश 'अमेरिकन्स जॉब्स फर्स्ट एक्ट' में आव्रजन और राष्ट्रीयता कानून में आवश्यक बदलाव करके एच-1बी वीजा कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव का प्रस्ताव है। भारतीय मूल के आईटी पेशवरों में एच-1बी वीजा की सर्वाधिक मांग रहती है। यह गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को उन विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कार्मिकों की नियुक्ति का अधिकार देता है जिनमें तकनीकी विशेषज्ञता जरूरी होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां इस वीजा प्रणाली के आधार पर हर वर्ष भारत और चीन जैसे देशों से हजारों कर्मियों की भर्ती करती हैं।

बुधवार को पेश नए विधेयक के मसौदे के अनुसार किसी 'विदेशी अतिथि कर्मी' को तब तक एच-1बी गैर-आव्रजक का दर्जा नहीं दिया जा सकता जब तक याचिकाकर्ता नियोक्ता श्रम मंत्री के समक्ष यह आवेदन नहीं करता कि वह एच-1बी गैर-आव्रजक को अमेरिकी नागरिक या कानूनन स्थायी नागरिक कर्मी को दिये जाने वाले सालाना वेतन से अधिक वार्षिक पारिश्रमिक की पेशकश कर रहा है। ब्रूक्स ने कहा, ''अमेरिकन् जॉब्स फर्स्ट एक्ट आवश्यक सुधार लाएगा और एच1बी वीजा कार्यक्रम को देखेगा एवं सुनिश्चित करेगा कि अमेरिकी कर्मचारियों को उनके अपने ही देश में और नुकसान नहीं उठाना पड़े।'' उन्होंने कहा, ''विदेशी कर्मचारियों के कम पारिश्रमिक में उपलब्ध होने जैसे लालच को खत्म करने के लिए विधेयक में यह व्यवस्था की गई है कि नियोक्ताओं को किसी भी एच1बी कर्मचारी को न्यूनतम 1,10,000 डॉलर का भुगतान करना होगा। इसके अलावा अमेरिकी कर्मचारियों की रक्षा के लिए इस विधेयक में कहा गया है कि जो कंपनियां एच1बी कर्मचारी को नौकरी पर रखना चाहती हैं उन्होंने कम से कम दो वर्ष में बिना कारण किसी भी अमेरिकी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला हो और बिना कारण किसी भी अमेरिकी कर्मचारी को अगले दो वर्ष तक नहीं निकालने का वादा किया हो।

चीन को रोकने के लिए भारत के साथ दोस्ती बढ़ाएगा अमेरिका, कहा- 'ड्रैगन' की हरकत चिंताजनक

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने कहा है कि वह भारत तथा अन्य देशों के साथ नए नियमों और समझौतों को आकार देने के लिए मिल कर काम करेगा। वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य रखते हुए अमेरिका यह सुनिश्चित करेगा कि हठधर्मी एवं सत्तावादी चीन नहीं बल्कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय एजेंडा तैयार करे। ये बातें बाइडेन प्रशासन की बुधवार को जारी इंटरिम नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटजिक गाइडेंस में कही गईं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि यह अमेरिका के उस दृष्टिकोण को पेश करता है कि कैसे हम अमेरिकी प्रभुत्व को देश में तथा विदेशों में आगे बढ़ाने के लिए इस दुर्लभ अवसर का इस्तेमाल कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने अपने इंटरिम नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटजिक गाइडेंसमें कहा कि यह एजेंडा इसके स्थाई लाभ को और मजबूत करेगा और चीन अथवा किसी भी देश के साथ सामरिक प्रतिस्पर्द्धा में टिके रहने की ताकत देगा। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपनी साझेदारी को प्रगाढ़ करेगा और साझा उद्देशों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए न्यूजीलैंड, सिंगापुर, वियतनाम और आसियान के अन्य सदस्य देशों के साथ मिल कर काम करेंगे।

चीन की हरकतों को अमेरिका ने जताई चिंता

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश के राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व वाला प्रशासन 5जी को उच्च प्राथमिकता देता है और वह ऐसे उपकरण के साथ नेटवर्क लगाने के खतरों को लेकर चिंतित है, जिनसे चीन छेड़छाड़ कर सकता है या जिन्हें वह नियंत्रित या बाधित कर सकता है। अमेरिका का आरोप है कि चीन मानवाधिकारों एवं निजता का कोई सम्मान नहीं करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, बाइडेन प्रशासन 5जी को निस्संदेह उच्च प्राथमिकता देता है। हम ऐसी जीवंत डिजिटल अर्थव्यवस्था का समर्थन करते हैं, जो सभी नागरिकों को 5जी वायरलेस नेटवर्क का लाभ लेने में समक्ष बनाए। हम यह भी जानते हैं कि इस प्रकार के नेटवर्क की सुरक्षा कितनी अहम है। उन्होंने कहा कि 5जी निस्संदेह परिवर्तनकारी है, यह जीवन के हर पहलू को छुएगा और यह परिवहन, विद्युत आवंटन, स्वास्थ्यसेवा एवं जनस्वास्थ्य जैसे बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए अहम है।

अमेरिका में भारतवंशी सांसद प्रमिला जयपाल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सभालेंगी यह पद

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में भारतवंशी सांसद प्रमिला जयपाल को एकाधिकार व्यापार रोधी, वाणिज्यिक और प्रशासनिक कानून पर संसद की उपसमिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। चेन्नई में जन्मीं जयपाल (55) एकाधिकार व्यापार रोधी कार्रवाई, प्रतिस्पर्धा रोधी फैसलों पर नियंत्रण, एकाधिकार जमाने वाले वाली प्रवृत्तियों को रोकने और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से जुड़े उप समिति के आवश्यक कार्यों को देखेंगी। वह मुक्त प्रेस को सुरक्षा प्रदान करने और नवोन्मेष से जुड़े कार्यों को भी देखेंगी। मीडिया में जारी एक विज्ञप्ति में यह कहा गया। डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता जयपाल प्रतिनिधि सभा में इकलौती भारतवंशी हैं। उन्होंने अमेरिका में कई दशकों में सामने आए पहले एकाधिकार व्यापार रोधी मामले की जांच में भी हाल में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

जयपाल ने एक बयान में कहा, ''एकाधिकार व्यापार रोधी, वाणिज्यिक और प्रशासनिक कानून पर प्रतिनिधि सभा की उपसमिति की अगुवाई का मौका मिलने पर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। एकाधिकार व्यापार रोधी कानून तैयार करने के लिहाज से यह महत्वपूर्ण समय है।'' उन्होंने कहा, ''इसके जरिए हम कामगारों की पैरवी करने के साथ, घृणा और दुष्प्रचार को रोकने और मुक्त प्रेस की रक्षा करते हुए प्रभावशाली प्रौद्योगिकी कंपनियों को जवाबदेह बनाएंगे।'' पिछले साल जुलाई में जयपाल ने तीन बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से पूछताछ की थी। उन्होंने अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से सवाल किए थे। दिसंबर में जयपाल कांग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस (सीपीसी) की अध्यक्ष चुनी गयी थीं। इससे वह 117 वीं कांग्रेस में सबसे प्रभावशाली सांसदों में से एक बन गयीं।

म्यांमार: सुरक्षा बलों ने की 33 प्रदर्शनकारियों की हत्या, अमेरिका ने जताई चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि असैन्य शासन को बहाल करने की शांतिपूर्ण तरीके से मांग कर रहे म्यांमार के लोगों के प्रति बरती जा रही भयावह हिंसा को देखकर वह स्तब्ध है और बहुत ही दुखी है। पिछले महीने म्यांमार में हुए सैन्य तख्तापलट का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। बुधवार को म्यांमार के सुरक्षा बलों ने कम से कम 33 प्रदर्शनकारियों की हत्या कर दी। एक फरवरी को हुए तख्तापलट के बाद से एक दिन में जान गंवाने वालों की यह सर्वाधिक संख्या है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइज ने कहा, ''जो तस्वीरें और खबरें मिल रही हैं, वे हैरान करने वाली हैं। असैन्य सरकार को बहाल करने का शांतिपूर्ण आह्वान कर रही बर्मा की जनता पर बरसाई जा रही भयावह हिंसा को देखकर हम स्तब्ध और दुखी हैं।'' अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में प्राइज ने कहा, ''हम सभी देशों का आह्वान करते हैं कि बर्मा की सेना द्वारा अपने ही लोगों के खिलाफ की जा रही बर्बर हिंसा की वे एक होकर निंदा करें और सेना की कार्रवाई पर जवाबदेही की मांग करें जिसके कारण बर्मा में अनेक लोगों को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा है।''

खतरे में इमरान खान की सरकार ! पूर्व पीएम गिलानी ने सीनेट चुनाव में वित्त मंत्री को हराया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री अब्दुल हफीज शेख को महत्वपूर्ण सीनेट चुनावों में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने पराजित कर दिया। इस नतीजे को प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी के लिए प्रयास किया था। सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने दावा किया था कि उसे 182 सदस्यों का समर्थन हासिल है जबकि सीनेटर को चुनने के लिए 172 वोटों की आवश्यकता थी। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने घोषणा की कि, ''यूसुफ रजा गिलानी को 169 मत मिले जबकि शेख को 164 मत मिले। सात मत खारिज हुए। कुल 340 वोट डाले गए।'' प्रधानमंत्री खान ने शेख की जीत सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास किया था। ग्यारह विपक्षी पार्टियों के एक गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने गिलानी का समर्थन किया था। इसमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि शेख 2008 से 2012 तक पूर्व प्रधानमंत्री गिलानी के कार्यकाल के दौरान उनके मंत्रिमंडल में मंत्री थे। सरकार के प्रवक्ता शहबाज गिल ने कहा कि विपक्ष केवल पांच मतों के अंतर से जीत गया जबकि सात मत खारिज हो गये। उन्होंने चुनाव को चुनौती देने की घोषणा की। इसी सदन में सत्तारूढ़ पार्टी की फोजिया अरशद को 174 मत मिले और उन्होंने पीडीएम समर्थित उम्मीदवार फरजाना कौसर को हरा दिया जिन्हें 161 वोट प्राप्त हुए। इनमें मामले में पांच मत खारिज हुए। जीत के बाद गिलानी के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने प्रधानमंत्री इमरान खान को पद छोड़ने के लिए कहा क्योंकि उनके उम्मीदवार की हार से पता चलता है कि वह नेशनल असेंबली में विश्वास खो चुके हैं। बिलावल ने कहा, ''इमरान खान को इस्तीफा दे देना चाहिए, यह केवल विपक्ष की मांग नहीं है बल्कि सरकार के अपने सदस्यों की भी है।'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की लोकतंत्रिक यात्रा में एक नया दौर शुरू हो रहा है। उन्होंने पीडीएम नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया और कहा कि गिलानी की जीत पाकिस्तान में सभी लोकतांत्रिक ताकतों की जीत है। उन्होंने कहा, ''यह कठपुतली सरकार अपनी संसद से हार गई और पाकिस्तान के लोग जीत गए।'' गिलानी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने उन्हें लंदन से फोन किया, जहां वह रहते हैं, और ''शानदार जीत पर उन्हें बधाई दी।'' पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने ट्वीट किया कि खान को देश पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उनके (पीटीआई के) लोगों ने दबाव होने के बावजूद, इमरान खान (उम्मीदवार) को वोट देने से इनकार कर दिया।'' पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता अहसान इकबाल ने भी कहा कि प्रधानमंत्री खान को आज रात इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इमरान और उनके मंत्री अपना वोट भी ठीक से नहीं डाल सकते, वे देश कैसे चला सकते हैं?'' वह मीडिया की उन खबरों का जिक्र कर रहे थे कि खान का खुद का वोट और उनके दो मंत्रियों का वोट उन सात खारिज वोटों में शामिल है, जिसका खामियाजा उन्हें प्रतिष्ठित सीट की कीमत के तौर पर चुकाना पड़ा क्योंकि , क्योंकि शेख पांच मतों के अंतर से हार गए। सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने, हालांकि खान के इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। सूचना मंत्री शिबली फराज ने कहा, ''विपक्षी नेताओं को शर्म आनी चाहिए। किस मुंह और चरित्र के साथ वे कह सकते हैं कि इमरान खान को इस्तीफा दे देना चाहिए या यह कहना चाहिए कि वे उनके खिलाफ कोई अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे।'' इस बीच, जियो टीवी के अनुसार खान ने इस स्थिति पर चर्चा करने के लिए पार्टी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। सरकार और विपक्षी दोनों ही एकदूसरे पर इस चुनाव में धनबल के इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं। संसद के ऊपरी सदन सीनेट के सदस्य छह वर्षों के कार्यकाल के लिए निर्वाचित होते हैं। मतदान 37 सीटों के लिए हुआ था। मतदान सुबह नौ बजे शुरू हुआ था और शाम पांच बजे तक चला।

सीनेट चुनाव में शेख की हार के बाद विश्वास मत हासिल करेंगे इमरान खान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नेसीनेट चुनाव में अपने वित्त मंत्री की हार के बाद संसद में विश्वास मत हासिल करने का फैसला किया है। खान के करीबी सहयोगी और वित्त मंत्री अब्दुल हफीज शेख बुधवार को सीनेट चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी से हार गए। खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगी की जीत के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास किया था। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता गिलानी विपक्षी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के सर्वसम्मत उम्मीदवार थे। गिलानी की जीत के बाद कई विपक्षी नेताओं ने खान की भारी आलोचना की और मांग की कि उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्वास मत हासिल करने का फैसला किया है।

संपादकीय

शालीनता के साथ

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि सरकार से अलग विचार रखना देशद्रोह नहीं है। अदालत ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ दायर याचिका को न केवल खारिज कर दिया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। याचिका में मांग की गई थी कि अनुच्छेद 370 को लेकर अब्दुल्ला ने जो टिप्पणी की है, वह देशद्रोह है, इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौर करने की बात है, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और हेमंत गुप्ता की पीठ ने इस याचिका को सुनवाई लायक भी नहीं माना। अदालत का इशारा दोटूक है कि देशद्रोह एक बहुत संगीन आरोप है, जिसे बहुत सोच-समझकर ही किसी पर लगाना चाहिए। अपने देश में ज्यादातर देशद्रोह के मामले पुलिस स्वयं दर्ज कर लेती है, पर फारूक अब्दुल्ला के मामले में ऐसी जरूरत महसूस नहीं की गई थी, फिर भी याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च अदालत का सहारा लिया और उसे उचित ही हार नसीब हुई। जिस देश में करोड़ों मामले अदालतों में लंबित हैं, वहां किसी अदालत के समय को ऐसे बर्बाद करने की गुस्ताखी से पहले देश के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए। किसी भी सभ्य देश के नागरिक समाज को ही नहीं, बल्कि सरकारों को भी विपरीत विचार या विरोध के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की खूबसूरती बढ़ती है। यह देश आपातकाल के दौर को बार-बार याद करता है, क्योंकि तब भी अभिव्यक्ति का अनादर हुआ था। तत्कालीन सरकार ने विरोधियों के खिलाफ बहुत कड़ी कार्रवाई की थी। आज अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आपातकाल के बारे में पूछे गए सवाल पर कहते हैं कि वाकई, वह एक गलती थी, जो हुआ था, गलत हुआ था, तो इसके निहितार्थ गहरे हैं। अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने आपातकाल को लेकर यदि सवाल पूछा, तो कोई अचरज नहीं। उस दौर में सरकार ने जैसी असहिष्णुता का परिचय दिया था, उसके लिए उसके उत्तराधिकारियों को आज भी घेरा जाता है। तत्कालीन सरकार की अनुदारता को देश आज 43-44 साल बाद भी नहीं भूल पा रहा है, तो यह देश की तमाम सरकारों के लिए सबक है। सत्ता में बहुत ताकत होती है, मनमानी या बहुमत से कड़े से कड़ा फैसला संभव हो जाता है, लेकिन आम लोग ऐसी सत्ताओं के बारे में क्या सोचते हैं, यह ज्यादा महत्वपूर्ण और जानने योग्य है। यदि आपातकाल न होता, तो इंदिरा गांधी और कांग्रेस का दामन आज कितना चमकदार होता, इस पर हर पार्टी को विचार करना ही चाहिए। सूचना माध्यमों के जोर पर देश में अभिव्यक्तियां बहुत मुखर और आक्रामक होने लगी हैं। हमारी सरकारों को बहुत सोच-समझकर देश को आगे ले जाना चाहिए। विशेष रूप से बड़े नेताओं को अपनी टिप्पणियों के प्रति ज्यादा सावधान हो जाना चाहिए। अपने आवेश और भावनाओं को नियंत्रण में रखकर की गई शालीन अभिव्यक्ति आज समाज व देश की सेवा से कम नहीं है। जो लोग छोटी-छोटी बातों पर भी उग्रता दर्शाने लगे हैं, उनका मार्गदर्शन करना जरूरी हो गया है। किस हद तक विरोध संभव है और कहां से देशद्रोह शुरू होता है, इसके बारे में लोगों को शिक्षित करने की कोशिशें लगातार होनी चाहिए। देश में सबको अभिव्यक्ति की आजादी हासिल है, पर उसकी सार्थकता तभी है, जब समाज व देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी पूरा एहसास हो।

कानून का घटता इकबाल

बुधवार को अखबारों में एक हृदयविदारक तस्वीर ने हर संवेदनशील व्यक्ति को यकीनन व्यथित कर दिया होगा। तस्वीर उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हत्या से जुड़ी घटना की थी जिसे बेल पर छूटे छेड़छाड़ के एक आरोपी ने अंजाम दिया था। मारा गया व्यक्ति एक युवती का पिता था जिसने अपनी पुत्री से छेड़छाड़ करने वाले उस व्यक्ति को जेल भिजवा दिया था। जेल से छूट कर आने पर यह व्यक्ति शिकायत वापस न लेने पर युवती के पिता को जान से मार डालने की धमकी दे रहा था। और उसने अपने छह-सात साथियों के साथ मिलकर खेत में काम कर रहे युवती के पिता को गोलियों से भून डाला। अखबारों और मीडिया में तस्वीरें थीं, जिनमें पीड़ित लड़की अपने पिता की अर्थी को कंधा देती दिख रही है। व्यथित कर देने वाली यह तस्वीर देश और समाज में गिरती कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही हैं। हालांकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस जघन्य हत्या की घटना पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए आरोपियों पर रासुका के तहत सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं, लेकिन सवाल अपनी जगह कायम है कि आखिर, कब तक इस प्रकार की घटनाएं सभ्य समाज के हामियों को मुंह चिढ़ाती रहेंगी। अब तो ऐसी घटनाएं आम हो चली हैं, और हर घटना के बाद सख्त कार्रवाई जैसी कवायद होती हैं। लेकिन कुछ दिन बाद सब कुछ भुला दिया है। फिर ऐसी कोई नई घटना घटती है, तो फिर से चर्चा में समाज की नैतिकताओं पर बात होने लगती है, अपराध करने वालों में कानून का ड़र खत्म होने जैसी बातें और पुलिस को लापरवाह ठहराने जैसी बातों की चर्चा होती हैं। कुछ लोग यह भी कहने से गुरेज नहीं करते कि परिवार के स्तर पर संस्कार न मिलने की वजह से ऐसी घटनाएं घटती हैं। हाथरस की घटना में तो बताया गया है कि आरोपी के परिवार की महिलाएं घटना से कुछ पहले पीड़ित परिवार के साथगांव के मंदिर के पास नोक-झोक कर चुकी थीं। तो ऐसा तो नहीं कि परिवार के स्तर पर संस्कार जैसा कुछ बाकी रह गया है। यह सीधे-सीधे बढ़े मन का मसला हैग अपराध से पहले कानून का ड़र नहीं रह जाने वाली जैसी बात है। अपराध करने वाले को लगा कि कानून उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। जरूरी है, कुछ ऐसा किया जाए कि कानून का इकबाल न घटने पाए।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

कुछ तो ख्याल करो

हरियाणा वाले बड़े गर्व से एक कहावत सुनाया करते हैं-देसां मैं देस हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा। उसी हरियाणा के कुछ किसानों ने घोषणा कर दी है कि अब अपना दूध सौ रुपये लीटर बेचेंगे। एक तो वक्त की मार ऐसी कि उसने हरियाणावालों से भी दूध बिकवा दिया। अब दूध-दही पैसे वाले खाएं, वे खुद सूखे टिक्कड़ खा लेंगे। दूसरी महंगाई की मार। ऐसे में अगर कोई कहे कि भाई, दूध इतना महंगा क्यों? तो वे पलट कर सवाल कर सकते हैं कि क्या सिर्फ पेट्रोल-डीजल ही महंगा खरीद सकते हैं क्या? लेकिन दूध उत्पादक किसानों को समझना चाहिए कि सरकार और किसान में फर्क होता है। इस फर्क के चलते कोई सरकार तो यह तय कर सकती है कि वह किसी खेल स्टेडियम का नाम अपने प्रधानमंत्री के नाम पर कर दे। लेकिन किसान तो तय नहीं कर सकते न कि उनकी गाय-भैंसों के दूध की कीमत सौ रुपये लीटर होगी। किसान अभी बाबा रामदेव नहीं बने हैं भाई। बाबा रामदेव तो गौमूत्र की भी कीमत तय कर सकते हैं।

किसान अभी उद्योगपति नहीं बने हैं कि अपने उत्पाद की कीमत खुद तय कर लें। डॉक्टर या वकील भी नहीं कि अपनी फीस खुद तय कर लें। नेता अपने दलबदल की कीमत तो खुद तय कर सकता है, पर किसान अपने उत्पाद की कीमत खुद नहीं तय कर सकते। रिश्वतखोर अपनी रिश्वत का रेट तय कर सकता है, लेकिन किसान अपनी मेहनत की कीमत तय नहीं कर सकता। प्राइवेट स्कूल उसके बच्चों की फीस तय कर सकते हैंग लेकिन किसान अपने उत्पाद की कीमत तय नहीं कर सकता। किसानों ने एक आंदोलन चलाना तय किया था, तो उसे इतनी तोहमतें सहनी पड़ीं कि किसी ने खालिस्तानी कहा, तो किसी ने माओवादी-नक्सलवादी। किसान तो सरकार के साथ बातचीत की तारीख तक तय नहीं कर सकता। इसीलिए तो महीने भर से आंदोलनकारी किसानों को सरकार के फोन कॉल का इंतजार है। सरकार अभी किसानों की फसलों का एमएसपी तो तय कर नहीं रही और देखो उन्होंने दूध की कीमत तय कर दी। अरे यारग अभी तो यही तय नहीं है कि तुम्हारी जमीनें बचेंगी या नहीं। नहीं बची तो पशुओं को चारा कहां से खिलाओगे। और पशु ही नहीं पाले गए तो दूध कहां से बेच लोगे। तो पहले जमीन बचा लोग एमएसपी तय करवा लो, फिर दूध की कीमत भी तय कर लेना। जल्दी क्या है?

रिश्ते सुधारने को पर्दे के पीछे की वार्ता

जी. पार्थसारथी

पच्चीस फरवरी की सुबह-सवेरे भारत और पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) ने टेलीफोन पर वार्ता के बाद एक महत्वपूर्ण संयुक्त विज्ञप्ति जारी की, जिसके मुताबिक- वास्तविक सीमा रेखा और अन्य सेक्टरों में व्याप्त स्थिति का पुनः अवलोकन मुक्त, बेबाक और दोस्ताना माहौल में किया जाएगा। आपसी हितों और सीमाओं पर टिकाऊ शांति स्थापना की प्राप्ति हेतु दोनों डीजीएमओ ने एक-दूसरे की चिंताओं की ओर ध्यान देने पर सहमति जताई है, जिसके अभाव में शांति भंग होती है और झड़पें हिंसक बन जाती हैं। दोनों पक्षों ने 24-25 फरवरी की मध्य रात्रि से वास्तविक सीमा रेखा और अन्य सेक्टरों में, शांति बनाने के लिए पूर्व में किए गए तमाम समझौते, आपसी समझ और युद्धविराम का पालन करने पर रजामंदी दी है।

निःसंदेह शांति और सुरक्षा भारत-पाक के लिए मुख्य चिंता का विषय रहे हैं। 4 जुलाई, 2004, जिस दिन दक्षेस सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इस्लामाबाद में थे तो उन्होंने पाक के राष्ट्रपति जनरल परवेज़ मुशर्रफ के साथ संयुक्त घोषणापत्र जारी किया था, इसमें कहा गया था-'राष्ट्रपति मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री वाजपेयी को विश्वास दिलाया है कि पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में आती भूमि को किसी भी तरह के आतंकवाद को समर्थन देने के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।' तत्पश्चात दोनों नेता 'समग्र वार्ता' फिर से शुरू करने पर राजी हुए थे, इस उम्मीद के साथ कि जम्मू-कश्मीर समेत तमाम आपसी मुद्दों का निपटारा दोनों पक्षों की तसल्ली के मुताबिक हो पाएगा।

इसी तरह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 24 मार्च, 2006 को अमृतसर में दिए भाषण में पाकिस्तान के साथ मतभेद सुलझाने की दिशा में जम्मू-कश्मीर पर भारत के नजरिए का संकेत देते हुए इस बात पर जोर दिया था कि 'जहां कहीं सीमा रेखा को फिर से खींचना संभव न हो, वहां उन्हें 'अप्रासंगिक' बना दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि हालात ऐसे होने चाहिए कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोग बेरोकटोक व्यापार और यात्रा कर पाएं।' इसके जवाब में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने जम्मू-कश्मीर को 'सेना रहित क्षेत्र' और 'स्व-शासित प्रदेश' बनाने की बात कही थी। बताया जाता है कि आतंकवाद रहित हालात बनने पर, पर्दे के पीछे चली लंबी वार्ता के बाद दोनों पक्ष जम्मू-कश्मीर की समस्या पर ध्यान देने और सुलझाने के लिए खाका बनाने पर सहमत हो गए थे।

लेकिन राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ का अपने साथियों के दबाव में आना पाकिस्तान द्वारा अपनी बात से पीछे हटने का कारण बना था। असहमति दिखाने वालों में मुशर्रफ के बाद सेनाध्यक्ष बने अशरफ परवेज़ कियानी भी एक थे, जो भारत के साथ इस तरह का समझौता बनाने के खिलाफ थे। इधर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का ज्यादा ध्यान भारत-अमेरिकी परमाणु संधि को संसद से अनुमोदित करवाने पर हो गया था। इस तरह 'पर्दे के पीछे' चलने वाली वार्ता को रोक दिया गया था। यह बात पक्की है कि घटनाक्रम की जानकारी अमेरिका को लगातार मुहैया करवाई जाती थी। इसका बात का 'न्यू यॉर्कर टाइम्स' में 2 मार्च, 2009 को छपे लेख से पता चलता है, जिसमें 'पर्दे के पीछे' क्या बातें हुई थीं, उसका खुलासा था। हालांकि मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव हर्षवर्धन शिंगला, जो अक्सर मीडिया में आने से बचते हैं, किंतु

> हाल ही में भारत-पाक में सीमा पर शांति के लिये सहमति नयी उम्मीद जगाती है। वैसे आज की तारीख में प्रधानमंत्री इमरान बस दिखावे के राष्ट्राध्यक्ष हैं। विदेश नीति सेना के हाथ में है। इसलिए ज्यादा समझदारी इसी में है कि प्रधानमंत्री इमरान के साथ छोटे-मोटे मुद्दों पर बातचीत पर बहुत अधिक समय व्यर्थ करने की बजाय पर्दे के पीछे वाला राब्ता सेनाध्यक्ष बाजवा से कायम किया जाए।

एक समर्थ कूटनीतिज्ञ हैं, जब अपनी भावी नीतियां बनाएंगे तो बिना शक उन बातों का ध्यान रखेंगे जो विगत में हो गुजरी हैं। हालांकि इस बात की कोई गारंटी नहीं कि पाकिस्तान अपने तत्कालीन रुख पर कायम रहेगा। दूसरी ओर, स्वाभाविक है कि मोदी प्रशासन मौजूदा जटिलताओं के परिप्रेक्ष्य में नए घटनाक्रम पर सावधानी से फूंककर कदम बढ़ाएगा। परंतु 'पर्दे के पीछे' वाली वार्ता भावी संवाद के लिए उपयोगी कदम होगा।

यह भी पक्का है कि बाइडेन प्रशासन को किसी ऐसे घटनाक्रम के बारे में इल्म होगा। अमेरिका को अहसास है कि हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाने में भारत का स्थान महत्वपूर्ण है। बदले में भारत को याद रखना होगा कि चीन की नीति 'कम लागत में भारत की घेराबंदी' करने की है। कोई हैरानी नहीं कि बाइडेन प्रशासन पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की अफगानिस्तान से जल्दबाजी में निकलने की नीति पर पुनर्विचार कर रहा है। पाकिस्तान की अपेक्षाओं से उलट बाइडेन प्रशासन ने चीन को भू-राजनीतिक चुनौती देने में व्यापार और अन्य प्रतिबंध कायम रखते हुए उम्मीद से ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। चीन और पाकिस्तान को उम्मीद थी कि एक बार काबुल में तालिबान सरकार बिठा दिए जाने के बाद अफगानिस्तान के अकूत प्राकृतिक स्रोतों का दोहन करने में उनको स्वाभाविक तौर पर तरजीह मिलती परंतु बाइडेन प्रशासन ने निकट भविष्य में अफगानिस्तान से अमेरिकी पलायन की संभावना पर ठंडा पानी डाल दिया है। इसके पीछे मुख्य कारण यह लगता है कि पश्चिमी शक्तियां नहीं चाहतीं कि अफगानिस्तान के विशाल खनिज भंडारण, जिसमें सोना, प्लैटिनम, चांदी, लीथियम, यूरेनियम, एल्यूमिनियम, कीमती पत्थर और दुलर्भ भू-खनिज पदार्थ इत्यादि हैं, उनका दोहन लालची चीन आसानी से कर पाए।

'बेल्ट एंड रोड परियोजना' के लिए उठाए चीनी कर्ज का भुगतान करने में पाकिस्तान को खासी दिक्कत हो रही है, इसका संकेत इस बात से पता चलता है कि पाकिस्तान ने चीन को कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र के लिए ऋण की किश्तें चुकाने की समयसारिणी में फेरदबल किया जाए। पाकिस्तान को कर्ज न चुका पाने की सूरत में अपने खनिज स्रोत, खदानें और बंदरगाह चीनी संस्थानों के हवाले करने पड़ेंगे। खनिज संपन्न गिलगित-बलूचिस्तान क्षेत्र के कुछ हिस्से इन दिनों चीन के नियंत्रण में हैं, इसके अलावा सामरिक महत्व वाले ग्वादर बंदरगाह पर चीनी पकड़ लगातार बढ़ती जा रही है। जल्द ही सिंध प्रांत की दो बंदरगाहों पर भी उसका नियंत्रण बन जाएगा। दोनों मुल्कों की राजधानियों में राजदूतों की अनुपस्थिति में पाकिस्तान के साथ रिश्ते सामान्य करने के लिए वार्ता का दौर बेमानी होगा। संवाद बनाने से पहले हमें इस्लामाबाद में अपने राजदूत की उपस्थिति बनानी होगी। साथ ही दोनों मुल्कों के बीच व्यापार एवं आर्थिक संबंध सामान्य बनाए जाएं। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने हुक्म दिया था कि कारगिल युद्ध के दौरान भी पाकिस्तान तक आने-जाने वाली रेल और बस सेवा को बहाल रखा जाए। क्या अब हमें इन्हें लागू करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए? आज की तारीख में प्रधानमंत्री इमरान बस दिखावे के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका, सऊदी अरब, भारत, तुर्की, ईरान और चीन के साथ रिश्ते रखने वाली विदेश नीति सेना के हाथ में है। इसलिए ज्यादा समझदारी इसी में है कि प्रधानमंत्री इमरान के साथ छोटे-मोटे मुद्दों पर बातचीत पर बहुत अधिक व्यर्थ करने की बजाय 'पर्दे के पीछे' वाला राब्ता सेनाध्यक्ष बाजवा से कायम किया जाए। जनरल बाजवा ने घरेलू नीतियों में भुट्टो परिवार समेत अन्य राजनीतिक हस्तियों से अपना राब्ता बना रखा है। लगता है युवा बिलावल भुट्टो को उसी सेना के साथ हाथ मिलाने में कोई गुरेज नहीं है, जिसने उसके नाना को फांसी पर चढ़ा दिया था।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

नीरव मोदी प्रत्यर्पण

तथ्यों-तर्कों से बढ़ी भारत लाने की उम्मीदें

अवधेश कुमार

लंदन के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा नीरव मोदी के प्रत्यर्पण को हरी झंडी मिलना कितना महत्वपूर्ण है, यह बताने की आवश्यकता नहीं। निश्चित रूप से यह भारत की ओर से किए गए प्रयासों, न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए तथ्यों और तर्कों तथा सक्रिय रहकर मुकदमा लड़ने का ही परिणाम है। हालांकि इससे तुरंत उसके भारत लाने की संभावना नहीं बनती क्योंकि पहले तो मामला ब्रिटेन के गृह मंत्रालय में जाएगा और गृहमंत्री प्रीति पटेल को निर्णय लेना है। प्रत्यर्पण कानून 2003 के अनुसार संबंधित कैबिनेट मंत्री को सारे पहलुओं पर विचार करने के बाद वांछित व्यक्ति के प्रत्यर्पण का आदेश देने का अधिकार प्राप्त है। लेकिन नीरव मोदी के पास अभी उच्च न्यायालय जाने का भी रास्ता खुला हुआ है। गृहमंत्री के आदेश के 14 दिनों के अंदर उसे उच्च न्यायालय में अपील करनी होगी। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद उसके प्रत्यर्पण का भविष्य निर्भर है।

वास्तव में न्यायालय ने 83 पृष्ठ के फैसले में प्रत्यर्पण का आदेश देते हुए उसकी जिन दलीलों को खारिज किया, उसके लिए जो तर्क दिए, जो टिप्पणियां कीं, वो भी न्यायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इससे उम्मीद बनती है कि ऊपरी न्यायालयों में भी भारत को विजय मिलेगी। नीरव मोदी ने अपने को निर्दोष बताने के अलावा मुख्यतः चार तर्क दिए थे। एक, भारत में उसे निष्पक्ष न्याय मिलने की संभावना नहीं है। इस मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप की संभावना ज्यादा है। दो, मुंबई का आर्थर रोड जेल उसके लिए उपयुक्त नहीं है। तीन, उनके स्वास्थ्य को देखते हुए वहां निजी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं हो सकती। और चार, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उनके अंदर आत्महत्या की प्रवृत्ति है। न्यायालय ने इन सारी दलीलों को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत में उन्हें न्याय नहीं मिलेगा। आर्थर रोड जेल उनके लिए उपयुक्त होगा तथा उनकी मानसिक स्थिति ऐसी नहीं है, जिससे कि आत्महत्या की प्रवृत्ति को स्वीकार किया जाए। भारत ने न्यायालय को आश्वस्त किया है कि हमारे यहां हिरासती और कैदियों के स्वास्थ्य की पर्याप्त देखभाल का कानूनी प्रावधान और व्यवस्था है तथा न्यायालय ही इस बारे में फैसला करती है। सरकार न्यायालय के आदेश का पालन करती है।

इसका अर्थ है कि न्यायालय ने नीरव मोदी को परोक्ष रूप से बहानेबाज और झूठा मान लिया है। न्यायालय ने यह भी कहा कि आपने जो कुछ भी कहा है, उसमें उन आरोपों का स्वीकारने योग्य खंडन नहीं है जो भारत की ओर से लगाए गए। आपको बहुत सारे प्रश्नों के जवाब भारत में देने हैं। ध्यान रखने की बात है कि लंदन के न्यायालय को पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव दोषी है नहीं है, इस पर अंतिम फैसला नहीं करना था। उसे यह देखना था कि नीरव पर लगे आरोपों के संदर्भ में भारत ने जो कुछ तथ्य रखे हैं, उनके आधार पर नीरव के प्रत्यर्पण की अनुमति दी जा सकती है या नहीं। जाहिर है, न्यायालय इससे सहमत हुआ तभी उसने आदेश दिया है।

फैसले में न्यायाधीश ने कहा भी कि लाइन ऑफ क्रेडिट को भुनाने में बैंक के अधिकारियों समेत अन्य आरोपियों की मिलीभगत के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इसमें स्वयं नीरव मोदी के उस पत्र का भी जिक्र किया गया, जिसमें उसने पंजाब नेशनल बैंक को बकाया होने और उसे चुकता करने का वायदा किया है। यहां तक कि न्यायालय ने उसके व्यवसाय के बिल्कुल जायज होने के दावे पर भी संदेह व्यक्त किया। न्यायालय में सीपीएस के बैरिस्टर ने मामले को बिल्कुल स्पष्ट बताते हुए कहा था कि नीरव ने तीन साझेदारों वाली अपनी कंपनी एवं शेल कंपनियों के नाम से अरबों रुपए का बैंक घोटाला किया। नीरव पर मुख्य आरोप यही है कि उसने अपने मामा मेहुल चोकसी और बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक में करीब 14 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक के कर्ज की धोखाधड़ी की। उस पर सीबीआई और ईडी बैंक घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों के मामले दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। वैसे उसके खिलाफ कई और मामले दर्ज हो चुके हैं। उसकी अनेक संपत्तियों को जब्त भी किया जा चुका है। उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी हुआ।

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में जब अनेक अधिकारी - कर्मचारी नप चुके हैं तो इसके मुख्य आरोपी को किसी तरह देश के अंदर कानून के कठघरे में खड़ा करना ही होगा। उसे बचाने की इतनी कोशिशें हुईं, जिनकी हम-आप कल्पना भी नहीं कर सकते। उसके गवाह के तौर पर उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मार्कंडेय काटजू और उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभय थिप्से तक पेश हुए। उन्होंने पूरे मामले को राजनीतिक रंग देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया था कि सत्तारूढ़ पार्टी ने एजेंडा के तहत मीडिया में लीक कर इसे बड़ा बनाया। नीरव मोदी के साथ भारत में न्याय नहीं हो सकता। इसे साबित करने के लिए इन दोनों पूर्व न्यायाधीशों ने भारतीय न्यायिक प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा कर दिया था।

वेस्टमिंस्टर न्यायाधीश ने इन दोनों पूर्व भारतीय न्यायाधीशों की कड़ी निंदा की। उन्होंने लिखा कि काटजू की बातचीत में निजी एजेंडा झलक रहा था। थिप्से के बारे में न्यायाधीश ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद वे कांग्रेस से संबद्ध हो गए, जिसके कारण उनकी आलोचना भी हुई। हर ईमानदार भारतीय चाहता है कि नीरव और उसके जैसे विदेश भागे घोटालेबाजों को भारत लाकर सजा दिलाई जाए। एंटीगुआ से प्रत्यर्पण संधि न होने के बावजूद मेहुल चौकसी पर शिकंजा कस चुका है। विजय माल्या का मामला काफी आगे बढ़ चुका है। संदेसरा बंधुओं से लेकर वीडियोकॉन के कोचर आदि भी भारत के कानूनी लड़ाई में पस्त हो रहे हैं।

भिक्षावृत्ति

भिखारियों को न डाला जाए जेल में

अमिताभ श्रीवास्तव

आखिर, इकसठ वर्ष बाद भारत की सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वो भीख मांगने वालों को जेलों में डालना बंद करे क्योंकि भीख मांगना अपराध नहीं है।

भारत जैसे देश में तो इस परंपरा का अपराधीकरण वैसे भी हमारी संस्कृति और विरासत के विरुद्ध है, जहां विभिन्न साधु-संप्रदाय और घूमंतू जातियां जगह-जगह घूम कर भिक्षावृत्ति से अपना पेट भरती हैं। समाज के सबसे संभ्रांत और प्रबुद्ध लोग तो मंदिरों में जाकर और बेघर लोगों को ढूंढ कर उन्हें खानाग पैसे और कपड़े आदि दे कर अपना जीवन धन्य मान लेते हैं। उसी देश में बम्बई (अब मुंबई) ने 1959 में एंटी बेगरी एक्ट जैसा एक अत्यंत क्रूर और मनमाना कानून बनाया थाग जिसने भिखारियों की एक अलग श्रेणी बना दी जिसमें भीख मांगने के अपराध में उन्हें तीन से दस साल तक की सजा मिल सकती है। जेलों में जगह ना होने पर उन्हें भिखारियों के लिए बने आश्रय घरों में बंद करने का आदेश था।

शुरू से ही मानव अधिकारों को समझने वालों और अन्य वर्गों ने इस अपराधीकरण को गलत बताया लेकिन विभिन्न राज्यों को अपनी इस कुरूप वास्तविकता को छुपाने का यही आसान तरीका लगा कि जब भी कोई विदेशी मेहमान आता या कोई जघन्य अपराध होता तो इन निरीह और बेसहारा लोगों को नजरों से गायब कर दिया जाए। जैसे पिछले वर्ष अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के भारत दौरे पर अहमदाबाद में किया गया था। जैसा कि भारत में पिछले कॉमन वेल्थ खेलों के आयोजन के समय भी दिल्ली में किया गया था। मजे की बात है कि ट्रंप का भारत दौरा केंद्र में आसीन भाजपा की सरकार में हुआ और कॉमन वेल्थ खेलों का आयोजन कांग्रेस की सरकार के समय में हुआ और उस सरकार ने भी यही कार्रवाई की।

सरकार कोई भी हो, देश के प्रबुद्ध प्रशासक हमेशा यही राय देते हैं कि देश के 4,13,470 अनचाहे, बिना पहचान पत्र वाले, बिना वोटर कार्ड वाले इन भिखारियों को नजरों के सामने से हटा दिया जाए। भिक्षावृत्ति को अपराध घोषित करने वाले 1959 के इस कानून के पीछे भी यही सोच थी। वर्ष 2018 में दिल्ली में भिक्षा को अपराध की श्रेणी से हटाने वाली दिल्ली उच्च न्यायालय की बेंच ने अपने फैसले में साफ शब्दों में कहा था कि कोई जानबूझ कर भीख नहीं मांगता। भिक्षा का अपराधीकरण राज्य का अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है, जो अपने नागरिकों को जीवन यापन के साधन नहीं दे पाया। भिखारियों के बारे में ऐसी नकारात्मक सोच के पीछे फिल्मों और साहित्य का भी बड़ा हाथ है। वर्ष 1838 में प्रख्यात लेखक चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ऑलिवर ट्विस्ट' में फेगिन नाम का चरित्र था जो बच्चों को पकड़ कर उन्हें चोरी करना सिखाता था। यह उपन्यास भारत में लगभग हर बच्चे ने स्कूल में पढ़ा होगा और इसे कहीं ना कहीं सच भी मानता होगा।

भारत में भी इस तरह के समाचार आए दिन कहीं ना कहीं छपते रहते हैं। करीब एक दशक पहले एक फिल्म आई थी जिसमें अनु कपूर भिखारियों का एक गैंग बनाता है। अपने इस गैंग के इन भिखारियों को वो रोज बताता है कि उन्हें उस दिन कहां बैठना है। इन सब कारणों से आम आदमी यही मानने लगा है कि सड़क कर भीख मांगने वाला हर भिखारी किसी न किसी गैंग का ही का सदस्य है। लेकिन लगभग दो दशक पहले भारत की प्रमुख स्वयंसेवी संस्था 'प्रयास' ने दिल्ली में एक रिसर्च की तो पता चला की इस तरह के लोगों की संख्या नगण्य है। वर्ष 2016 में दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने भी दिल्ली पुलिस के सहयोग से लगभग साठ दिनों तक दिल्ली के दस प्रमुख स्थानों, जहां भिखारियों का जमावड़ा रहता है, पर एक सर्वे कराया था। सर्वे के निष्कर्ष के रूप में 'प्रयास' ने बताया कि दिल्ली में इस तरह का कोई माफिया नहीं है। इस प्रकार की बातों में कोई दम नहीं है। इस तरह की रिपोर्ट आने के बाद शायद दिल्ली के उच्च न्यायालय को भिक्षावृत्ति को अपराध की श्रेणी से हटाने के बारे में अधिक नहीं सोचना पड़ा।

और अब 2021 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी केंद्र सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों को छह सप्ताहों में जवाब देने को कहा है कि वो अपने यहां इस काले कानून को खत्म करने के बारे में तय कार्यक्रम बताएं। इन राज्यों में महाराष्ट्र भी शामिल है जहां सबसे पहले यह एंटी बेगरी एक्ट बनाया और लागू किया गया था।

नारियल का तेल बालों के लिए है सबसे बेहतर

बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से बढ़कर कुछ और नहीं है क्योंकि इसमें कई सारे ऐसे प्राकृतिक तत्व हैं, जो बालों का बखूबी ख्याल रखते हैं। बालों में नारियल तेल की मालिश के कई ऐसे लाभ हैं, जिनसे हम अंजान हैं, तो आज हम डर्मेटोलॉजिस्ट और हेयर व वेलनेस एक्सपर्ट अपर्णा संथानम के सुझाए गए कुछ ऐसे ही फायदों की बात करेंगे, जो नारियल के तेल को सर्वोत्तम बनाता है।

सबसे बेहतरीन हेयर प्रोटेक्टर

नारियल तेल बालों की सुरक्षा के लिए सबसे अच्छा है। धूप और गर्म वातावरण में रहने के चलते बालों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। धूप से बालों में पर्याप्त नमी की भी कमी होने लगती है, बाल रूखे हो जाते हैं, हालांकि नारियल के तेल से इनसे बचा जा सकता है। रिसर्चगेट के एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि नारियल तेल के मालिश से ये रिसकर बालों की तह तक पहुंच जाते हैं और सुरक्षा की एक परत बना लेते हैं, जो बालों में नमीं को बरकरार रखता है। इसमें एसपीएफ सहित कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं, जो बालों को धूप से होने वाले नुकसान से बचाते हैं और साथ में कई तरह के केमिकल से भी बालों की रक्षा करते हैं।

अंदर से बालों की सेहत की सुरक्षा

बालों की देखभाल के लिए बाजार में कई तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स हैं, जिनका लंबे समय तक इस्तेमाल से बालों को नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल तेल में रिस-रिसकर बालों की तह तक पहुंचने की क्षमता है इसलिए यह हेयर फॉसिल्स को पुर्नजीवित कर बालों की सेहत को अंदर से तंदरुस्त बनाता है। इसमें मौजूद फैटी एसिड्स और विटामिन्स बालों में नमीं को बनाए रखते हैं, जो रूखेपन से निजात दिलाने में कारगर है।

स्कैल्प का रखे ख्याल

अधिक गर्मी और नमीं वाले वातारण से हमारे बालों की जड़ों को काफी नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल के तेल में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं इसलिए यह स्कैल्प का बेहतर तरीके से ख्याल रखने और इसे तमाम समस्याओं से निजात दिलाने में कारगर है जैसे कि डैंड्रफ, ड्रायनेस, कोई इंफेक्शन इत्यादि। यह स्कैल्प पर जमने वाले सीबम को भी हटाता है, जो बालों और जड़ों को तैलीय बनाने का मुख्य कारक है।

बेजान बालों से मिले छुटकारा

शैम्पू सहित बालों की देखभाल के लिए बने कई उत्पादों में मौजूद केमिकल से आखिरकार बालों को नुकसान ही पहुंचता है क्योंकि इनमें केमिकल्स की अधिकता होती है। इनके अधिक इस्तेमाल में बालों में प्राकृतिक नमीं की कमी होने लगती है और ये बेजान व उलझे हुए नजर आते हैं और ऐसा खासकर नमीं वाले वातावरणों में अधिक होता है। इससे निपटने के लिए धूले हुए हल्के भींगे बालों में नारियल तेल की कुछ बूंदे डालें, ऐसा करने से नमीं बालों में ही लॉक होकर रह जाता है और बाल मुलायम बन जाते हैं।

नारियल तेल है प्रकृति का और प्रकृति के लिए वरदान

नारियल तेल नैचुरल है, यह किफायती है, आसानी से मिल जाते हैं और बालों की कई समस्याओं के समाधान में कारगर है। ऐसे में अनावश्यक महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स के स्थान पर इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे न केवल हमारे बालों को फायदा पहुंचेगा बल्कि पैसे की भी बचत होगी और पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा।

दोपहर की झपकी आपकी कामकाजी याददाश्त को बढ़ा सकती है

एक नियमित दोपहर की झपकी लेने से आपके मस्तिष्क को तेज रखा जा सकता है, क्योंकि एक नए अध्ययन से पता चलता है कि दोपहर की झपकी लेना बेहतर मानसिक चपलता से जुड़ा है। चीन में शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय के वी ली शोधकर्ताओं का सुझाव है कि दोपहर की झपकी बेहतर स्थानीय जागरूकता, मौखिक प्रवाह और काम करने की स्मृति से जुड़ी हुई है। जनरल साइकियाट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने कम से कम 60 वर्ष की आयु के 2,214 स्वस्थ लोगों को शामिल किया और चीन के आसपास के कई बड़े शहरों के निवासियों को शामिल किया। कुल मिलाकर, 1,534 ने नियमित दोपहर की झपकी ली, जबकि 680 ने नहीं। सभी प्रतिभागियों को मनोभ्रंश की जांच के लिए मिनी मेंटल स्टेट एग्जाम में स्वास्थ्य जांच और संज्ञानात्मक आकलन की एक श्रृंखला से गुजरना पड़ा। दोनों समूहों में रात के समय की नींद की औसत लंबाई लगभग 65 घंटे थी। दोपहर की झपकी को कम से कम लगातार पांच मिनट की नींद की अवधि के रूप में परिभाषित किया गया था, लेकिन 2 घंटे से अधिक नहीं। डिमेंशिया स्क्रीनिंग परीक्षणों में 30 आइटम शामिल थे जो संज्ञानात्मक क्षमता के कई पहलुओं को मापते थे, और उच्च कार्य, जिसमें नेत्र संबंधी कौशल, कार्यशील मेमोरी, ध्यान अवधि, समस्या-समाधान, स्थानीय जागरूकता और मौखिक प्रवाह शामिल थे। यह एक अवलोकन अध्ययन है, और इसलिए इसका कारण स्थापित नहीं किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि झपकी की अवधि या समय के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, जो महत्वपूर्ण हो सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि टिप्पणियों के लिए कुछ संभावित स्पष्टीकरण हैं।

मिश्री के मीठे फायदे

प्रसाद में मिश्री का एक खास महत्व होता है, वहीं मीठे पकवानों में भी अधिकतर लोग शकर की जगह मिश्री का इस्तेमाल करना बेहतर समझते हैं। मिश्री जहां मुंह में मिठास को बढ़ाती है, वहीं मिठास से भरपूर मिश्री में कई औषधीय गुण भी होते हैं। क्या आप जानते हैं इसके बेहतरीन सेहतमंद गुणों के बारे में? यदि नहीं तो यह लेख आपके लिए है। अधिक वजन यदि आपको परेशान कर रहा है, तो मिश्री का उपयोग आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्री को सौंफ के साथ बराबर मात्रा में पीसकर तैयार पावडर को तैयार कर लें। अब इस पावडर का नियमित इस्तेमाल करें। इससे वजन बढ़ने जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

यदि पाचन प्रक्रिया संबंधी समस्या से परेशान हैं तो मिश्री का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिला सकता है। खाना खाने के बाद मिश्री और सौंफ के सेवन से खाना हजम होने में सहायता मिलती है और पाचन प्रक्रिया सही रहती है।

मिश्री मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह तनाव को दूर करने का काम करती है, साथ ही याददाश्त को सुधारने में सहायक साबित होती है। इसका सेवन आप गर्म दूध के साथ कर सकते हैं। मिश्री के नियमित सेवन से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। इसका यदि खाने के बाद सेवन किया जाए तो यह आंखों की रोशनी को बेहतर करती है। गले की खराश से परेशान हैं तो आपको मिश्री का सेवन करना चाहिए। यह गले में होने वाली खराश से राहत दिलाती है। मुंह से दुर्गंध की समस्या से परेशान हैं, तो रोज खाना खाने के बाद सौंफ और मिश्री का सेवन करें। ऐसा करने से मुंह से आ रही दुर्गंध खत्म हो जाती है।

फ्रिज में रखें आलू खाने से हो सकते हैं कैंसर के शिकार

आम तौर पर खाद्य पदार्थों को ज्यादा समय तक ताजा और सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में रखा जाता है, लेकिन अगर यह चीजें सुरक्षित रहने की बजाए खराब या हानिकारक हो जाए तब आप क्या करेंगे?

जी हां, यह बात अजीब नहीं है, बल्कि ऐसा होता है। कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें फ्रिज में रखना सुरक्षित नहीं होता और यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है। आलू भी उन्हीं में से एक है। ये बात उन लोगों के लिए और भी चौंकाने वाली हो सकती है जो फ्रेंच फ्राइज या तले हुए आलू खाना पसंद करते हैं। जी हां, अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो आलू को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में डालकर रखते हैं, तो आप गलत कर रहे हैं। आलू को फ्रिज में रखना खतरनाक हो सकता है। दरअसल आलू में स्टार्च मौजूद होता है और जब आप आलू को फ्रिज में रखते हैं तो फ्रिज का ठंडा तापमान आलू में मौजूद स्टार्च को शुगर में बदल देता है। यह शुगर खतरनाक केमिकल में तब्दील हो जाती है और इसका सेवन कई तरह के कैंसर का कारण बन सकता है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि रिसर्च में साबित हो चुका है। फूड स्टैंडर्ड एजेंसी द्वारा कराए गए एक शोध के अनुसार जब आप फ्रिज या फ्रीजर में रखे आलू को जब बेक या फ्राई करते हैं, तो आलू में मौजूद शुगर कन्टेंट इसमें मौजूद एमिनो ऐसिड ऐस्परैगिन के साथ मिलकर ऐक्राईलामाइड नाम का केमिकल उत्पन्न होने लगता है। इस केमिकल का इस्तेमाल पेपर बनाने, प्लास्टिक बनाने और यहां तक की कपड़ों को डाई करने में किया जाता है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है जो लोग उच्च तापमान पर पके स्टार्च वाले खाद्य पदार्थ का सेवन करते हैं उनमें अलग-अलग तरह के कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। आलू को अत्यधिक उच्च तापमान पर पकाना भी बचना हानिकारक होता है। इसके खतरे से बचने के लिए तो आलू को पकाने से पहले उसे छीलकर 15 से 30 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखा जा सकता है। ऐसा करने से आलू को पकाने के दौरान उसमें ऐक्राईलामाइड बनने की आशंका कम हो जाती है।

बच्चों के लिए निमोनिया हो सकता है जानलेवा

ठंड से पांच साल तक के बच्चों को निमोनिया का संक्रमण बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कहा है कि बच्चों का खास ख्याल रखें क्योंकि निमोनिया उनके लिए जानलेवा हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ठंड के मददेनजर शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया के संक्रमण से बचाव के लिए सावधानियों को अपनाना बेहद आवश्यक है। इस संबंध में भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर तिवारी ने एडवाईजरी जारी कर कहा कि निमोनिया जानलेवा हो सकता है। निमोनिया के उपचार में देरी बच्चे के लिये खतरनाक हो सकती है। बच्चों में बुखार, खांसी, श्वांस तेज चलना, पसली चलना अथवा पसली धसना निमोनिया के लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बच्चों को निमोनिया से उपचार के लिये तुरंत चिकित्सक अथवा निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में ले जायें। तिवारी के अनुसार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में शिशुओं को निमोनिया से बचाव में बेहद कारगर वैक्सीन पीसीवी भी निःशुल्क उपलब्ध है। अपने शिशुओं को डेढ़, साढ़े तीन एवं नौ माह में निमोनिया से बचाव हेतु पीसीवी वैक्सीन की पूर्ण डोज निःशुल्क अवश्य लगवायें। बच्चों को ठंड से बचाव के लिये अभिभावकों से आग्रह किया है कि बच्चों को दो-तीन परतों में गर्म कपड़े पहनायें। ठंडी हवा से बचाव के लिये शिशु के कान को ढंके, तलुओं को ठंडेपन से बचाव के लिये बच्चों को गर्म मोजे पहनायें।

क्या आप जानते हैं, छुहारा और खजूर एक ही पेड़ से उत्पन्न होते हैं। दोनों की तासीर गर्म होती है और दोनों शरीर को मजबूत बनाने में विशेष भूमिका निभाते हैं। गर्म तासीर होने के कारण ही सर्दियों में तो इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। आइए, जानें छुहारे के अनूठे फायदे।

खजूर के यह फायदे आपको कर देंगे हैरान

मासिक धर्म : सर्दी के दिनों में कई महिलाओं को मासिक धर्म से जुड़ी समसयाएं भी होती हैं, इसके लिए छुहारे फायदेमंद है। छुहारे खाने से मासिक धर्म खुलकर आता है और कमर दर्द में भी लाभ होता है।

बिस्तर पर पेशाब : छुहारे खाने से पेशाब का रोग दूर होता है। बुढ़ापे में पेशाब बार-बार आता हो तो दिन में दो छुहारे खाने से लाभ होगा। छुहारे वाला दूध भी लाभकारी है। यदि बच्चा बिस्तर पर पेशाब करता हो तो उसे भी रात को छुहारे वाला दूध पिलाएं। यह शक्ति पहुंचाते हैं।

रक्तचाप : कम रक्तचाप वाले रोगी 3-4 खजूर गर्म पानी में धोकर गुठली निकाल दें। इन्हें गाय के गर्म दूध के साथ उबाल लें। उबले हुए दूध को सुबह-शाम पीएं। कुछ ही दिनों में कम रक्तचाप से छुटकारा मिल जाएगा।

दांतों का गलना : छुहारे खाकर गर्म दूध पीने से कैल्शियम की कमी से होने वाले रोग, जैसे दांतों की कमजोरी, हड्डियों का गलना इत्यादि रूक जाते हैं।

कब्ज : सुबह-शाम तीन छुहारे खाकर बाद में गर्म पानी पीने से कब्ज दूर होती है। खजूर का अचार भोजन के साथ खाया जाए तो अजीर्ण रोग नहीं होता तथा मुंह का स्वाद भी ठीक रहता है। खजूर का अचार बनाने की विधि थोड़ी कठिन है, इसलिए बना-बनाया अचार ही ले लेना चाहिए।

मधुमेह : मधुमेह रोगी जिनके लिए मिठाई, चीनी इत्यादि वर्जित है, सीमित मात्रा में खजूर का हलवा इस्तेमाल कर सकते हैं। खजूर में वह अवगुण नहीं है, जो गन्ने वाली चीनी में पाए जाते हैं।

पुराने घाव : पुराने घावों के लिए खजूर की गुठली को जलाकर भस्म बना लें। घावों पर इस भस्म को लगाने से घाव भर जाते हैं।

आंखों के रोग : खजूर की गुठली का सुरमा आंखों में डालने से आंखों के रोग दूर होते हैं।

खांसी : छुहारे को घी में भूनकर दिन में 2-3 बार सेवन करने से खांसी, छींक, जुकाम और बलगम में राहत मिलती है।

जुएं : खजूर की गुठली को पानी में घिसकर सिर पर लगाने से सिर की जुएं मर जाती हैं।

टाटा मोटर्स ने पेश किया टिआगो का नया संस्करण, कीमत छह लाख रुपये

नयी दिल्ली, वाहन बनाने वाली घरेलू कंपनी टाटा मोटर्स ने एंट्री लेवल हैचबैक टिआगो का नया संस्करण पेश किया है, जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 5.99 लाख रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नया संस्करण एक्सटीए में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की सुविधा दी गयी है। टाटा मोटर्स के विपणन प्रमुख (यात्री वाहन कारोबार इकाई) विवेक श्रीवत्स ने कहा, ''टिआगो को सभी क्षेत्रों में बाजार में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। भारत में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन वाले वाहनों का खंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। टिआगो की बिक्री से भी यह पता चलता है।'' उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि यह नया संस्करण न केवल हमें मिड-हैच सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा में बढ़त देगा, बल्कि ग्राहकों को हर कीमत पर चुनने के लिये सुलभ विकल्प उपलब्ध करायेगा।'' अब तक, कंपनी ने घरेलू बाजार में हैचबैक की 3.25 लाख से अधिक इकाइयां बेची हैं।

वेलस्पन इंडिया के निदेशक मंडल ने 10 करोड़ डॉलर तक की पूंजी जुटाने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली, वेलस्पन इंडिया के निदेशक मंडल ने एक या एक से अधिक खेप में 10 करोड़ डॉलर (लगभग 750 करोड़ रुपये) जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजारों से कहा कि निदेशक मंडल ने 10 करोड़ डॉलर तक की पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। यह पूंजी एक या एक से अधिक साधनों के माध्यम से जुटाये जा सकते हैं, हालांकि ये साधन कर्ज, ईएसजी बांड, गैर परिवर्तनीय डिबेंचर या ईसीबी आदि पर सीमित नहीं होने चाहिये। वेलस्पन के निदेशक मंडल ने सामान्य बैठक के माध्यम से शेयरधारकों का अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने की भी मंजूरी प्रदान कर दी। बीएसई पर वेलस्पन इंडिया का शेयर 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.25 रुपये पर चल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने कोयले पर भारत के रुख का समर्थन किया

नयी दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फतिह बिरोल ने ऊर्जा स्रोत के रूप में कोयले पर भारत के रुख का समर्थन किया है। बिरोल ने कहा कि विकासशील देशों को बिना अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता के कोयले के इस्तेमाल से रोकना उचित नहीं होगा। इस तरह के कदम की आर्थिक चुनौती से निपटने के लिए उन्हें पहले वित्तीय सहायता देने की जरूरत होगी।बिरोल ने ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत जैसे विकासशील देश अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा जरूरत के लिए कोयले पर निर्भर हैं। कोयला और अन्य संबद्ध क्षेत्र इन देशों में रोजगार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भारत के इस रुख का समर्थन किया कि वह वैश्विक स्तर पर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज जो जलवायु परिवर्तन का मुद्दा है, वह कॉर्बन उत्सर्जन की वजह से है। यह करीब 100 साल से मुद्दा है। उन्होंने कहा कि कई आधुनिक देश औद्योगिकीकरण और आमदनी के इस स्तर पर कोयले का काफी इस्तेमाल कर पहुंचे हैं। ये देश हैं अमेरिका, यूरोप और जापान।

शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, 598.57 अंक टूटा सेंसेक्स

मुंबई ।

देश के शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी पर गुरुवार को ब्रेक लग गया। सेंसेक्स बीते सत्र से 598.57 अंकों यानी 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 50,846.08 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी पिछले सत्र से 164.85 अंकों यानी 1.08 फीसदी की कमजोरी के साथ 15,080.75 पर ठहरा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 632.51 अंकों की गिरावट के साथ 50,812.14 पर खुला और 50,539.92 तक टूटा जबकि दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स का उपरी स्तर 51,256.55 रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी भी बीते सत्र से 218.85 अंकों की गिरावट के साथ 15,026.75 पर खुला और 14,980.20 तक टूटा, जबकि दिनभर के कारोबार के दौरान निफ्टी का ऊपरी स्तर 15,202.35 रहा। हालांकि बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 100.29 अंकों यानी 0.48 फीसदी की तेजी के साथ 20,984.19 पर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 168.78 अंकों यानी 0.80 फीसदी की तेजी के साथ 21,254.07 पर ठहरा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से सिर्फ पांच शेयरों में तेजी रही, जबकि 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के तेजी वाले पांच शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट (4.26 फीसदी), डॉ. रेड्डी (1.63 फीसदी), एशियन पेंट (0.65 फीसदी), मारुति (0.13 फीसदी) और हिंदुस्तानलीवर (0.12 फीसदी) शामिल रहे। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में एचडीएफसी (2.62 फीसदी), बजाज फिनसर्व (2.49 फीसदी), एलएंडटी (2.31 फीसदी), एसबीआईएन (2.28 फीसदी) और एक्सिस बैंक (2.24 फीसदी) शामिल रहे। धातु, बैंकिंग, वित्तीय और ऊर्जा सेक्टरों के शेयरों में भारी गिरावट रही।

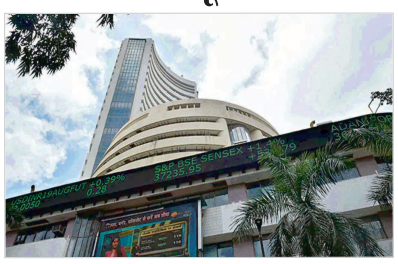

सीतारमण ने कोरोना टीके की पहली खुराक ली

नयी दिल्ली, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली। सीतारमण ने ट्वीट किया, ''आज सुबह कोविड-19 टीकाकरण के तहत टीके की पहली खुराक ली।'' उन्होंने नर्स सिस्टर राम्या पीसी को देखभाल और पेशेवर रवैये के लिये धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, ''भारत में जन्म लेकर सौभाग्यशाली हूं, जहां टीके का विकास और इसकी उपलब्धता त्वरित व किफायती तरीके से हुई है।'' सरकार ने बुधवार को घोषणा की थी कि 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग और 45 वर्ष से अधिक उम्र के वैसे लोग जिन्हें पहले से कोई गंभीर बीमारी है, एक मार्च से टीके की खुराक लगवा सकते हैं। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद पहले ही टीके की पहली खुराक ले चुके हैं।

5 करोड़ से ज्यादा लोगों को बड़ी राहत, PF पर मिलता रहेगा 8.5% ब्याज

बिजनेस डेस्क।

केंद्र सरकार ने सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ (**Retirement fund body EPFO**) ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (**EPF**) जमा पर 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का फैसला किया है। **EPFO** के साथ पांच करोड़ से अधिक सक्रिय अंशधारक जुड़े हैं। सूत्रों ने बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (**EPFO**) की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था केन्द्रीय न्यासी बोर्ड ने श्रीनगर में हुई बैठक में वर्ष 2020-21 के लिए ब्याज दर को 8.5 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया है। इस तरह की अटकलें थीं कि **EPFO** इस वित्तवर्ष (2020-21) के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को वर्ष 2019-20 की 8.5 प्रतिशत दर से भी कम कर सकता है। ब्याज दर में कमी का अनुमान, कोरोनो वायरस महामारी के मद्देनजर भविष्य निधि कोष से अधिक मात्रा में धन निकासी किए जाने और सदस्यों द्वारा कम योगदान दिए जाने की वजह से लगाया जा रहा था। पिछले साल मार्च में, **EPFO** ने वर्ष 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमाओं पर ब्याज दर को घटाकर सात वर्ष के निचले स्तर यानी 8.5 प्रतिशत कर दिया था जबकि इससे पिछले साल 2018-19 में यह 8.65 प्रतिशत थी। **EPF** (कर्मचारी भविष्य निधि) द्वारा 2019-20 के लिए दी गई 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर 2012-13 के बाद से सबसे कम थी। **EPFO** ने वर्ष 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत ब्याज दिया था जबकि 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दिया था। इससे पहले 2015-16 में ब्याज दर 8.8 प्रतिशत से थोड़ी अधिक थी। इसने 2013-14 के साथ-साथ 2014-15 में 8.75 प्रतिशत ब्याज दिया था, जो 2012-13 के 8.5 प्रतिशत से अधिक था। इससे पहले **EPFO** ने 2011-12 में भविष्य निधि पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया था।

24 देशों के मंच पर बोले तोमर, कृषि-ग्रामीण क्षेत्र पर सरकार का फोकस

नई दिल्ली,

4 मार्च 7 केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत राज तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्र की मजबूती व प्रगति पर भारत सरकार का पूरा फोकस है और इस दिशा में अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं व कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जो छोटे छोटे किसानों के लिए काफी लाभकारी हैं। केंद्रीय मंत्री 24 देशों का संघ एशिया पैसिफिक रूरल एंड एग्रीकल्चर क्रेडिट एसोसिएशन (अप्राका) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'क्षेत्रीय नीति फोरम' की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि व गांव आधारित है, जिसकी तरक्की के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार लगातार प्रयासरत है। कृषि मंत्री तोमर ने कहा, हम भली-भांति जानते हैं कि जब तक गांवों में रोजगार व पैसा नहीं होगा, तब तक कृषि आगे नहीं बढ़ेगी। दूरदर्शी प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने इसी कड़ी में जन-धन खातों की स्कीम प्रारंभ की औक करोड़ों लोगों को बैंकिंग से जोड़ा। नए सिस्टम में पारदर्शिता है, बिचौलिए खत्म हुए हैं और लीकेज बचत में बदल गई है।उन्होंने भारत सहित एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों द्वारा महामारी से निपटने के लिए की गई पहलों, विशेष रूप से ग्रामीण गरीबों पर महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए उठाए गए उपायों की सराहना की। तोमर ने फोरम को सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है और 6,865 करोड़ रूपए खर्च कर 10 हजार नए एफपीओ बनाए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम- किसान) योजना के तहत करीब 10.75 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 1.15 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जमा कराई गई है। उन्होंने कहा कि कानूनी सुधार के माध्यम से भी कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। अप्राका 24 देशों का संघ है,जिसमें इन देशों के केंद्रीय बैंक, नियामक प्राधिकरण, एआरडीबी, सहकारी बैंक महासंघ, वाणिज्यिक बैंक, कृषि वित्त से जुड़ी सरकारी एजेंसियां आदि 87 संस्थाएं सदस्य है। भारत, अप्राका के 16 संस्थापक सदस्य देशों में शामिल है और जी.वी.के.राव, तत्कालीन कृषि सचिव अप्राका के पहले अध्यक्ष थे व नाबार्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वाई.सी. नंदा 1999 से 2001 तक अप्राका अध्यक्ष रहे। नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला अब अप्राका के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। इससे जाहिर है कि भारत के लिए इस फोरम का कितना महत्व है।केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने गुरुवार को 'क्षेत्रीय नीति फोरम' की बैठक का उद्घाटन किया। इस बैठक में अप्राका के अध्यक्ष व बैंक ऑफ सिलोन, श्रीलंका के सीईओ डी.पी.के. गुणशेखर, नाबार्ड के अध्यक्ष व अप्राका के उपाध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला, अप्राका के महासचिव डॉ. प्रसून कुमार दास, नेशनल रेनफेड एरिया अथॉरिटी के सीईओ व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अशोक दलवई, कृषि सचिव संजय अग्रवाल, वित्तीय सेवाएं सचिव देबाशीष पंडा ने भी अपने विचार रखे।

व्यापारिक घरानों को लाभ देंगे डीटीयू के एंटरप्रिन्योरशिप पाठ्यक्रम

नई दिल्ली।

दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी यानि डीटीयू में फैमिली बिजनेस और एंटरप्रिन्योरशिप पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। दिल्ली सरकार के मुताबिक इससे न सिर्फ दिल्ली के व्यापारिक घरानों को लाभ होगा, बल्कि देश भर के व्यापारिक घरानों को जबरदस्त लाभ होगा। उनके बच्चे अब दूसरी कंपनियों में जॉब ढूंढने न जाकर अपने ही बिजनेस को नए कलेवर में और आगे बढ़ा सकते हैं और नई नौकरियां पैदा कर सकते हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस शुरूआत को लेकर कहा, मेरा सपना है कि डीटीयू का यह कोर्स न सिर्फ देश में, बल्कि दुनिया भर में अपना परचम लहराए। जिस तरह से फैमिली बिजनेस और एंटरप्रिन्योरशिप पाठ्यक्रम के लिए अमेरिका के बेबसन कॉलेज का अपना नाम है, मैं चाहता हूं कि डीटीयू भी उस कॉलेज से कंपीट करे और दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने के लिए इच्छुक हों। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारे विश्वविद्यालयों से पढ़कर निकलने वाले छात्र जॉब सीकर्स यानि नौकरी तलाश करने वाले बनने की बजाय नौकरी उपलब्ध कराने वाले बनें। छात्र उद्यमी बनें और लोगों को नौकरी दें। हमारे विश्वविद्यालयों ने वो मुकाम तो हासिल कर लिया है कि हमारे छात्र दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियों में ऊंची सैलरी पर नौकरी कर रहे हैं, लेकिन देशहित में यह जरुरी है कि हमारे छात्रों के अंदर वह कौशल हो कि वे दुनिया भर के लोगों को नौकरी दे सकें। अपनी स्टार्टअप से अपनी कंपनियों से लोगों को जॉब दे सकें। मेरा सपना है कि हमारे विश्वविद्यालय ऐसे ही उद्यमियों की जन्म स्थली बनें। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि पिछले 8 दशकों से, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। इसी काम के मद्देनजर रखते हुए हमने डीटीयू में ऐसे कोर्स शुरू किए कि वह उद्यमी पैदा करें। एमबीए इन फैमिली बिजनेस एंड एंटरप्रिन्योरशिप पाठ्यक्रम की शुरूआत के पीछे मेरा यही सपना है। इस पाठ्यक्रम से निकलने वाले बच्चे अपने फैमिली का बिजनेस संभालें या खुद किसी नए आईडिया पर अपना बिजनेस शुरू करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों से पढ़े बच्चे आज विश्व की बड़ी-बड़ी कंपनियों को चला रहे हैं। हमने अपने बच्चों को तो तैयार कर दिया, लेकिन अपने विश्वविद्यालयों को तैयार नहीं कर सके। अब जरूरत है कि हम देश में ऐसे विश्वविद्यालय तैयार करें, जिनमें पढ़ने वाले बच्चों की कंपनियों में अमेरिका, जापान जैसे देशों के बच्चे नौकरी पाने का सपना देखें और इस दिशा में डीटीयू शानदार काम कर रही है। फैमिली बिजनेस एंटरप्रिन्योरशिप एवं इनोवेशन एंटरप्रिन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट प्रोग्राम से एमबीए कर रहे विद्यार्थियों से उपमुख्यमंत्री ने बात की। बातचीत के दौरान एमबीए फैमिली बिजनेस के द्वितीय वर्ष के छात्र अभिषेक मेहता ने बताया कि, उनके पिता का स्टोन क्रशर मैनुफैक्चरिंग का बिजनेस है। अभिषेक ने बताया कि भारत में सक्सेशन प्लानिंग की कमी है, इसलिए बच्चे अपनी फैमिली बिजनेस की तरफ आकर्षित नहीं होते हैं.

चीन के नयी ऊर्जा वाहनों की बिक्री 6 वर्षों तक पहले स्थान पर रही

बीजिंग। चीनी उद्योग व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार चीन के नयी ऊर्जा वाले वाहनों के उत्पादन व बिक्री निरंतर रूप से 6 वर्षों तक विश्व में पहले स्थान पर रही। इस पर विशेषज्ञ ने कहा कि सरकार की उदार नीति और उद्यम में सृजन व वैज्ञानिक अनुसंधान से चीन में नयी ऊर्जा वाले वाहनों का विकास मजबूत हुआ है। हाल के कई वर्षों में चीन में नयी ऊर्जा वाले वाहनों का उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। कार स्वामित्व, उत्पादन व बिक्री में तेज वृद्धि हुई है। चीनी उद्योग व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्याओ याछिंग ने परिचय देते हुए कहा कि चीन में नयी ऊर्जा वाले वाहनों के उत्पादन व बिक्री निरंतर रूप से 6 वर्षों तक विश्व में पहले स्थान पर रहे। खास तौर पर गत वर्ष विश्व भर में नयी ऊर्जा वाले वाहनों की कुल बिक्री में गिरावट में चीन ने 10.9 प्रतिशत की वृद्धि गति प्राप्त की, साथ ही यह वृद्धि जारी रहेगी। इस पर चीनी ऑटोमोबाइल निर्माता संघ के उद्योग सूचना विभाग के प्रधान छेन शीह्वा ने कहा कि नयी ऊर्जा वाला वाहन विश्व में ऑटोमोबाइल उद्योग के हरित विकास और परिवर्तन व अपग्रेड की एक महत्वपूर्ण दिशा है। चीन ने इसे मजबूत करने के लिये लगातार 60 से अधिक उदार नीतियां जारी कीं।

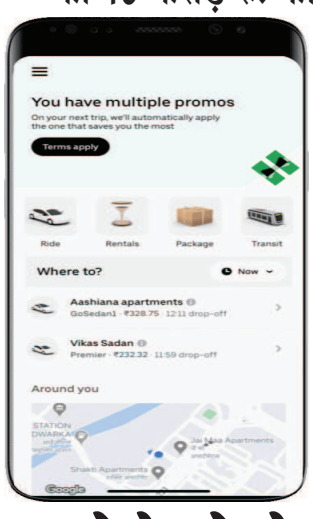

नाजुक नागरिकों को टीका लगाने के लिए ऊबर ने सरकार एवं एनजीओ को 10 करोड़ रु. की निशुल्क राइड प्रदान करने का संकल्प लिया

गुरुग्राम : आज ऊबर ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू), राज्य सरकारों एवं स्थानीय एनजीओ को अपना सहयोग देने की घोषणा की। इस सहयोग के तहत दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण में मदद करने के लिए 10 करोड़ रु. मूल्य की निशुल्क राइड प्रदान की जाएंगी। इन निशुल्क राइड्स का उपयोग 60 व 45. के आयु समूह के को-मॉर्बिडिटी वाले नागरिक एवं भारत के टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण के लिए चयनित लक्षित समूह नजदीकी अधिकृत वैक्सीनेशन केंद्र से आवागमन के लिए कर सकेंगे।

ऊबर के इस अभियान द्वारा आसानी से रिडीम किए जा सकने वाले प्रोमो कोड द्वारा नाजुक नागरिक वैक्सीनेशन केंद्रों तक का सफर आसान व सुरक्षित बना सकेंगे। ऊबर नाजुक एवं वंचित समुदाय के वरिष्ठ नागरिकों को वैक्सीनेशन केंद्रों तक पहुंचाने के लिए अपने एनजीओ पार्टनर, जैसे रॉबिन हुड आर्मी एवं अन्य की मदद भी लेगा। टीका लगवाने के प्रति संकोच दूर करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को अपने सहयोग के तहत ऊबर अपने ऐप एवं सोशल मीडिया चैनलों द्वारा जागरुकता का प्रसार करेगा। इसके अलावा, ऊबर एक जन सेवा घोषणा (पीएसए) अभियान चलाएगा, जो टीका लगवाने के बाद भी मास्क लगाने, सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करने एवं कोविड से बचने की अन्य सावधानियां रखने के महत्व पर बल देगा। ऊबर प्लेटफॉर्म के ड्राइवर्स आवश्यकता एवं नाजुकता के दो मुख्य मापदंड पूरे करते हैं, इसलिए ऊबर ने केंद्र सरकार से निवेदन किया है कि ड्राइवर्स को जल्द से जल्द वैक्सीनेशन प्राप्त हो।

ऊबर एवं साझेदारी की जारी वार्ता के बारे में, माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा, ''नागरिकों को वैक्सीन केंद्रों तक आवागमन करने के लिए 10 करोड़ रु. मूल्य की निशुल्क राइड प्रस्तुत करने की ऊबर की प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है क्योंकि इससे नाजुक नागरिकों को सुरक्षित मोबिलिटी के विकल्प मिलेंगे। भारत में कोविड-19 से लड़ाई में पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप वैक्सीन की पहुंच की बाधा को दूर करने और लोगों को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महामारी की शुरुआत से ऊबर एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक का दायित्व निभाते हुए अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों एवं नागरिकों के घरों तक आवश्यक सामान की आपूर्ति पहुंचाने में मदद कर रहा है। हम अपने शहरों को फिर से गतिशील बनाने के लिए ऊबर के साथ काम करने के लिए आशान्वित हैं।''

कोवेस्ट्रो ने असाधारण वर्ष 2020 में अपेक्षाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया

भरुच । कोवेस्ट्रो ने 2020 में एक असाधारण वर्ष के साथ एक मजबूत अंत देखा और लाभ प्राप्त किया, विशेष रूप से दूसरी छमाही में, इसके निरंतर संकट निवारण उपायों और मांग में आई तेजी ने कंपनी का लाभ बढ़ाया है। बहुत ही सफल चौथी तिमाही के बावजूद, समूह पहले छह महीनों में पैदा हुए बड़े पैमाने पर महामारी से संबंधित माहौल के कारण मांग और बिक्री में कमी की भरपाई नहीं कर सका। 2020 में, समूह के प्रमुख वॉल्यूम की बिक्री पूर्व वर्ष की अवधि के मुकाबले में 5.6 प्रतिशत कम हो गई थी।

कोवेस्ट्रो के सीईओ डॉ.मार्कस स्टिलमैन ने कहा कि "हम इस अत्यधिक असाधारण वर्ष के दौरान सभी चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार पाने में सक्षम रहे हैं और हर समय कार्य करने की हमारी क्षमता को बनाए रखे हैं। हमने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए, आपूर्ति श्रृंखलाओं को चालू रखा और अपनी मजबूत तरलता की स्थिति का विस्तार किया।" उन्होंने कहा कि "वित्तीय 2020 में, हम इन सभी कारकों के चलते ही अपने रणनीतिक लक्ष्यों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम थे। हमने पूरी तरह से अपने संचालन को सुचारू बनाए रखने के लिए अपनी दृष्टिकोण को परिभाषित किया और डीएसएम से रेजिन एंड फंक्शनल मटीरियल बिजनेस के घोषित अधिग्रहण के साथ इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया।"

इससे पहले 2020 में, कोवेस्ट्रो ने पूरी तरह से सर्कुलर बनने की घोषणा की। इस दीर्घकालिक दृष्टि को पूरा करने और अपने व्यावसायिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में परिपत्रता को एम्बेड करने के लिए, समूह ने चार विषयों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया: वैकल्पिक कच्चे माल, इनोवेटिव रीसाइक्लिंग, संयुक्त समाधान और अक्षय ऊर्जा। कंपनी इन चारों लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल भी रही।

अमेज़न इंडिया 15-18 अप्रैल, 2021 के दौरान 'स्मभव' के एनबीजी संस्करण का आयोजन करेगा

बंगलौर । अमेजन इंडिया ने आज 15-18 अप्रैल, 2021 से Amazon अमेज़ॅन स्मभव 'के दूसरे संस्करण को लॉन्च करने की घोषणा की, जो उद्योग के नेताओं और विचारकों के लिए एक मंच है जिसमें व्यवसायों और उद्यमियों के साथ-साथ संभावनाओं के अगले चरण के बारे में प्रेरक चर्चाएँ हैं। उनके लिए अमेज़न के साथ साझेदारी करने के लिए। अमेज़ॅन की वार्षिक शिखर बैठक का दूसरा संस्करण चार दिवसीय आभासी कार्यक्रम होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों जैसे विनिर्माण, खुदरा, रसद, आईटी-आईटीईएस, सामग्री निर्माता, स्टार्ट-अप, ब्रांड और उद्यमियों को शामिल करते हुए थीम 'भारत के लिए अनंत संभावनाएँ' होंगी। देश भर से। अमेज़ॅन स्मभव के 30,000 से अधिक प्रतिभागियों के होने की उम्मीद है, जो 70 वक्ताओं से सर्वोत्तम प्रथाओं और उद्योग के रुझानों के बारे में जानेंगे।

अमेज़ॅन का वार्षिक प्रमुख शिखर सम्मेलन 'स्मभव' एक आभासी मेगा शिखर सम्मेलन है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे अमेज़न और उसके साझेदार भारतीय उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हैं। Smbhav 2020 में, अमेजन 10 मिलियन MSME को डिजिटाइज़ करने के लिए अतिरिक्त 1 1 बिलियन का निवेश करेगा, भारत से निर्यात 10 बिलियन यूएस तक पहुंच गया और वर्ष 2025 तक भारत में एक और 1 मिलियन नौकरियां पैदा करने की कसम खाई।

कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, अमेज़न इंडिया के वीपी मनीष तिवारी ने कहा, '' Smbhav 2021 यह दिखाने की दिशा में एक कदम है कि 21 वीं सदी के भारत को आकार देने में अमेज़न कितना मजबूत भागीदार है। जैसा कि हम कई भारतीय व्यवसायों और उद्यमियों के साथ काम करते हैं, हम उन्हें उपकरण, तकनीक और नवाचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाएंगे, रोजगार सृजन में मदद करेंगे और सभी आकार की कंपनियों की उद्यमशीलता क्षमताओं को मजबूत करेंगे। इस प्रकार Smbhav 2021 एक अनूठा मंच होगा, जो एक आत्मनिर्भर भारत की संभावनाओं को खोलने का अवसर प्रदान करेगा। "

शेल इंडिया ने भारत के स्वप्नद्रष्टा को अपने अत्याधुनिक अभियान 'ग्रेट थिंग्स हैपन व्हेन वी मूव' के साथ मनाया और प्रेरित किया

शेल इंडिया, भारत की सबसे विविध अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है, जो एक विश्वसनीय साथी की खोज जारी रखने और देश का निर्माण करने में मदद करने के लिए एक अत्याधुनिक अभियान च्ग्रेट थिंग्स हैपन व्हेन मूवज् शुरू कर रही है। इस अभियान के माध्यम से, शेल का लक्ष्य भारतीयों की अटूट लगन, उनके सपनों और उनकी प्रेरक यात्रा का जश्न मनाना है। शेल ने तीन नई ब्रांड फिल्में भी जारी की हैं जो गतिशीलता की प्रेरक कहानी को दर्शाती हैं, इस देश के उत्प्रेरक परिवर्तन में ब्रांड की साझेदारी और जीवन के लिए प्रतिबद्धता लाती हैं।

कई भारतीयों के लिए, उनके वाहन अपने और अपने परिवार के लिए सामाजिक आर्थिक प्रभाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'जब हम आगे बढ़ते हैं तो महान चीजें 'उन लोगों के बारे में एक अभियान है जिन्होंने कुछ सरल करके अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए अटूट साहस और प्रेरणा का प्रदर्शन किया है।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले शुरू किया गया यह अभियान महिलाओं को उनकी गतिशीलता को खोजने की चुनौती के लिए प्रोत्साहित करता है।

शेल इंडिया रिसर्च ने कहा, "ऐसे ग्राहकों का एक विशेष समूह है जो अपने सपनों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं और वे वास्तव में हमारे अभियान के महिला-केंद्रित विचारों को आत्मसात कर रहे हैं।" भारतीय महिलाओं को चलाने के लिए परिष्कृत अभियान कहानियों में तीन प्रेरक महिलाओं - योगिता रघुवंशी - देश की पहली महिला ट्रक चालक, गीता टंडन - एक अग्रणी बॉलीवुड स्टंटवुमन और सुमित्रा सेनापति - वुमन ऑन वंडरलैंड की संस्थापक की कहानियों पर प्रकाश डाला जाएगा। इस फिल्म का मुख्य उद्देश्य गतिशीलता का विस्तार करना है जो लोगों की प्रगति का मुख्य आधार है और महिलाओं के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण पकड़ बनाए रखना है।

एटीपी कैरियर में सुमित नागल ने 22वें नंबर के खिलाड़ी गारिन को हराया

ब्यूनस आयर्स :

भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अपने एटीपी कैरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त चिली के क्रिस्टियन गारिन को सीधे सेटों में हराकर अर्जेंटीना ओपन एटीपी 250 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 150वें स्थान पर काबिज नागल ने दूसरे दौर में 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। गारिन विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर हैं। नागल का सामना अब स्पेन के अलबर्ट रामोस विनोलास से होगा जिन्होंने जर्मनी के डोमनिक कोफेर को 7-5, 6-4 से मात दी। एटीपी टूर स्तर पर नागल पहली बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं।

आईएसएल-7 (सेमीफाइनल-1, फर्स्ट लेग) : प्लेऑफ कर्टन रेजर में आमने-सामने होंगे मुम्बई, गोवा

फातोर्दा (गोवा)।

अपने प्रदर्शन को लेकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के इतिहास में सबसे अधिक निरंतरता रखने वाली एफसी गोवा ने रिकॉर्ड छठी बार आईएसएल के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। लेकिन टीम अब तक एक बार भी आईएसएल खिताब नहीं जीत पाई है। इसके अलावा उसे दो बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। गौर्स के नाम से मशहूर गोवा के पास अब पहली बार आईएसएल ट्रॉफी उठाने का मौका है और इसी मौके की तलाश में आगे बढ़ते हुए गोवा को सातवें सीजन के पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में शुक्रवार को यहां फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में टेबल टॉपर और लीग शील्ड विनर्स मुम्बई सिटी एफसी से भिड़ना है। लगातार चौथी बार प्लेऑफ में पहुंचने वाली गोवा सीजन में सर्वाधिक गोल करने के मामले में मुम्बई सिटी एफसी के बाद नॉर्थईस्ट युनाइटेड के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर रही है। टीम पिछले 13 मैचों से अजेय चल रही है। एफसी गोवा के कोच जुआन फेरांडो ने कहा, अगर हम खेल का आनंद लेते हैं, तो हमें सफलता मिलेगी। कभी-कभी दबाव होता है क्योंकि हर कोई जीतना चाहता है, लेकिन मेरे लिए, हमारे खिलाड़ी (हमारे तरीके से) खेलना चाहते हैं। मुझे डर लगता है जब मेरी टीम (अपने तरीके) से फुटबॉल नहीं खेल रही होती है, तो टीम की मदद करना मुश्किल है। लेकिन हमारे सभी खिलाड़ी अपनी शैली के अनुसार खेलना चाहते हैं। दूसरी तरफ, मुम्बई सिटी एफसी की टीम इस सीजन में अब तक सर्वाधिक 35 गोल दाग चुकी है। लेकिन कोच सर्जियो लोबेरा की टीम अपने प्रदर्शन में और ज्यादा सुधार करना चाहेगी। लोबेरा ने कहा, जब कोई दूसरा मुम्बई सिटी को दावेदार बताता है तो मुझे खुशी होती है क्योंकि हम सोचते हैं कि हम उनसे बेहतर हैं। यह हमारे लिए अच्छा है। मुझे यह दबाव पसंद है। लेकिन पिच पर हमें खुद को साबित करना होगा। फेरांडो की तरह ही लोबेरा भी चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी खुद पर दबाव महसूस होने न दें और इस मैच का आनंद लें। उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण मुकाबला है। हमें स्मार्ट और 180 मिनट तक खेलने के लिए तैयार रहना होगा। हम इस मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं और मुझे उम्मीद है कि इस चुनौती का आनंद लेंगे। मुम्बई सिटी एफसी के लिए अमे रेनवेड इस मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे जबकि हुगो बोउमस की चार मैचों के निलंबन के बाद वापसी हुई है।

युवराज और गिब्स ने 6 छक्के जड़ने पर पोलार्ड को दी बधाई

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हर्शल गिब्स ने वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड को एक ओवर में छह छक्के जड़ने की उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी है। पोलार्ड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मैच में अकिला धनंजय की ओवर में छह गेंद पर छह छक्के जड़े। पोलार्ड इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाले गिब्स और युवराज के बाद तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। युवराज ने ट्वीट कर कहा, पोलार्ड आपका छह छक्के जड़ने वाले क्लब में स्वागत है। छह गेंदों पर छह छक्के शानदार है। युवराज ने 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के छह गेंदों पर छह छक्के जड़े और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे और अंतरराष्ट्रीय टी20 में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह कारनामा पहली बार दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स ने किया था जिन्होंने 2007 वनडे विश्व कप के ग्रुप चरण मुकाबले में नीदरलैंड के डान वान बुंगे के ओवर में छह गेंदों पर छह छक्के जड़े थे। गिब्स ने कहा कि दुनिया में जिन तीन बल्लेबाजों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छह छक्के जड़ने का रिकॉर्ड बनाया है, वे तीनों मुंबई इंडियंस के लिए खेले हैं। गिब्स ने ट्वीट कर कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छह गेंद पर छह छक्के जड़ने वाले तीनों बल्लेबाज मुंबई के लिए खेल चुके हैं। पोलार्ड आपका स्वागत है। पोलार्ड पांच बार की आईपीएल विजेता टीम मुंबई का हिस्सा लंबे समय से हैं जबकि गिब्स 2012 और युवराज 2019 में मुंबई के लिए खेले थे।

बैडमिंटन : प्रणीत स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बासेल। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी. साई प्रणीत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां जारी स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। साल 2019 में यहीं आयोजित विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले प्रणीत ने गुरुवार को पुरुष एकल के राउंड-16 के मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-54 स्पेन के पेब्लो एबियन को 21-12, 21-17 से मात दी। पांचवीं सीड प्रणीत ने 37 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ वर्ल्ड नंबर-17 प्रणीत ने एबियन के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 1-2 का कर लिया है।

सिंधू ने तुर्की की यिगित को हराकर स्विस ओपन दूसरे दौर में किया प्रवेश

बासेल ।

विश्व चैंपियन और दूसरी सीड भारत की पीवी सिंधू ने स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दूसरी सीड सिंधू ने तुर्की की नेसलिहान यिगित को बुधवार को 42 मिनट में 21-16, 21-19 से पराजित कर दूसरे दौर में जगह बना ली। सिंधू का यिगित के खिलाफ करियर का यह पहला मुकाबला था। सिंधू का दूसरे दौर में अमेरिका की आईरिस वांग से मुकाबला होगा। वहीं सायना को थाईलैंड की फिटायापूर्ण चाईवान ने 58 मिनट के संघर्ष में 21-16 17-21 23-21 से पराजित होकर बाहर का रास्ता देखना पड़ा। पुरुष एकल में एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन,परुपल्ली कश्यप और समीर वर्मा को भी पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। सौरभ वर्मा ने स्विट्जरलैंड के क्रिस्टियन क्रीचमाएर को 43 मिनट में 21-19, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। पांचवीं सीड बी साई प्रणीत इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 34 मिनट में 21-11 21-14 से और अजय जयराम थाईलैंड के सीथिकोम थम्मासिन को 35 मिनट में 21-12 21-13 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। पुरुष युगल में सात्विकसैराज रेंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

टेटे : डब्ल्यूटीटी कंटेंडर दोहा के प्री-क्वार्टर में हारे शरत

टेटे : डब्ल्यूटीटी कंटेंडर दोहा के प्री-क्वार्टर में हारे शरतदोहा, 4 मार्च (आईएएनएस)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल को यहां जारी वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) कंटेंडर दोहा टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को हार का सामना करना पड़ा। 2006 के कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन शरत को पुरुष एकल वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-7 चीनी ताइपे के लिन यून जु से हार झेलनी पड़ी। शरत को जु के हाथों 6-11, 4-11, 8-11 से शिकस्त खानी पड़ी। वर्ल्ड नंबर-32 शरत की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। इससे पहले, मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला को अपने-अपने क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड में हार का सामना करना पड़ा। बत्रा को वर्ल्ड नंबर-69 गेना गेपोनोवा के खिलाफ 5-11, 6-11, 14-12, 5-11 से जबकि अकुला को वर्ल्ड नंबर-74 चिली की वेगा पॉलिना के खिलाफ 9-11, 11-5, 11-6, 6-11, 5-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मोहम्मद सिराज ने कहा- रूट की विकेट का मैंनें खूब लुत्फ उठाया

अहमदाबाद।

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को आउट करने का लुत्फ उठया क्योंकि उन्होंने विरोधी टीम के कप्तान को आउट करने के लिए परफेक्ट रणनीति बनाई थी। सिराज ने इनस्विंग होती गेंद पर रूट को पगबाधा किया। सिराज ने इस विकेट के बारे में कहा कि मैं बाहर की ओर मूव होती गेंदें फेंककर रूट को आउट करने की योजना बनाना चाह रहा था। और नए ओवर की शुरुआत में मैंने सोचा कि मैं एक गेंद को अंदर लेकर आऊंगा। रणनीति को अमलीजामा पहनाकर मुझे बहुत संतोष मिला। मजा आ गया। भारतीय तेज गेंदबाज ने इसी तरह अंदर आती गेंद पर जॉनी बेयरस्टॉ की कमजोरी को भांपा और 146 किमी प्रति घंटा से अधिक रफ्तार से अंदर आती गेंद पर उन्हें पवेलियन भेजा। सिराज ने कहा कि बेयरस्टॉ को शुरुआत में मैं काफी तेजी से गेंद नहीं कर रहा था लेकिन मैंने उसकी जो भी फुटेज देखी हैं, वह अंदर की ओर स्विंग होती गेंद पर आउट होता है। इसलिए मैं एक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करना चाहता था और लगातार गेंद को अंदर लाना चाहता था और यह काम कर गया। विराट कोहली ने पहले दिन अधिकांश समय सिराज का इस्तेमाल छोटे स्पैल में किया और उनकी योजना दबाव बनाने के लिए लगातार एक ही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करने की थी। सिराज ने कहा कि रणजी ट्रॉफी के समय से ही हमने अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करनी सीखी है और विशेषकर एक ही स्थान पर बिना काफी चीजें करने का प्रयोग करते हुए। यह सब धैर्य पर निर्भर करता है। सिराज ने कहा कि काफी रिवर्स स्विंग नहीं मिल रही थी और कोहली ने स्पष्ट कर दिया था कि तेज गेंदबाज एक छोर से गेंदबाजी करेंगे।सिर्फ सामान्य स्विंग मिल रही थी। इसलिए हमें पता था कि तेज गेंदबाज एक छोर से गेंदबाजी करेंगे। सिराज को खुश है कि आस्ट्रेलिया में अजिंक्य रहाणे हों या यहां कोहली, उन्हें लगातार अपने कप्तान से हौसलाअफजाई और समर्थन मिला। पिच के संदर्भ में सिराज ने कहा कि यह बल्लेबाजी के लिए शानदार विकेट है।

सुनील गावस्कर बोले : इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी बयान दें तो उन्हें कहो- चलो भागो यहां से

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया तीसरा टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया और भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज करते हुए 2-1 से बढ़त बनाई। इस दौरान पिच को लेकर काफी विवाद उठा। इस पर कई क्रिकेटरों ने कहा कि पिच नहीं बल्कि बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि भारतीय मीडिया को इंग्लैंड द्वारा कही गई बातों को छापना (दिखाना) ही नहीं चाहिए। गावस्कर ने एक शो के दौरान कहा, जब मैं, कपिल देव या सचिन तेंदुलकर कुछ बात कहते हैं तो इंग्लैंड की मीडिया उसे प्रमुखता से नहीं दिखाती। हिंदुस्तानी मीडिया को भी कुछ ऐसा ही करना चाहिए। जैसे ही इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी बयान दें, भारतीय मीडिया को उन्हें बोलना चाहिए- चलो भागो यहां से। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, पिच पर बात करते हुए कहा, तीसरे टेस्ट की पिच में कोई खराबी नहीं थी। इंग्लैंड और भारतीय बल्लेबाजों ने उस पिच पर अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। उनके डिफेंस में कमियां थी और ज्यादातर बल्लेबाज सीधी गेंद पर आउट हुए थे।

सिराज की बाउंसर से गुस्से में आया इंग्लैंड का खिलाड़ी, भारतीय तेज गेंदबाज को दी गाली

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के विश्राम लेने के बाद उनकी जगह मोहम्मद सिराज को मौका मिला। सिराज ने इस दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और 45 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। हालांकि इस दौरान सिराज को इंग्लैंड के खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने गाली दी जिसे लेकर सिराज ने कप्तान विराट कोहली से भी शिकायत की। दरअसल, सिराज ने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को एलबीडब्ल्यू आउट किया और उनके पविलियन लौटेने के बाद स्टोक्स क्रीज उतरे। सिराज ने स्टोक्स को बाउंसर फेंकी जो स्टोक्स को पसंद नहीं आई और उन्होंने युवा तेज गेंदबाज से कुछ कहा (गाली दी)। इस पर कोहली अपने तेज गेंदबाज का साथ देने चले आए। मामला गर्माता देख अंपायर्स इस मामले में कूद पड़े और दोनों खिलाड़ियों को अलग किया। गौर हो कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टोक्स के अर्धशतक (55) की बदौलत पहली पारी में 205 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और टीम बिना रन गंवाए शुभमन गिल के रूप में पहला विकेट गंवा बैठी। लेकिन चेतेश्वर पुजारा और रोहित शर्मा ने पहले दिन कोई अन्य विकेट नहीं गिरने दिया और पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 24/1 स्कोर बनाया।

साइना नेहवाल स्विस ओपन के पहले दौर से बाहर

बासेल । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही दौर में थाईलैंड की पी चाइवान से हारकर बाहर हो गई। साइना को 58 मिनट तक चले मुकाबले में 16-21, 21-17, 21-23 से पराजय झेलनी पड़ी। वहीं, पी.वी. सिंधु ने तुर्की की यिजिट नेस्लिहान को 21-16, 21-19 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब सिंधु का सामना अमेरिका की इरिस वांग से होगा। पुरूष खिलाडिय़ों में चौथी वरीयता प्राप्त किदाम्बी श्रीकांत, पांचवीं वरीयता प्राप्त बी साइ प्रणीत, सौरभ वर्मा, अजय जयराम अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। एच.एस. प्रणय, पारूपल्ली कश्यप, लक्ष्य सेन और समीर वर्मा पहले ही दौर से बाहर हो गए थे।

मुम्बई सिटी एफसी की मानसिकता ही उसकी ताकत रही है : गोलकीपर अमरिंदर

फातोर्दा (गोवा)।

इंडियन सुपर लीग (आईसएल) के सातवें सीजन के प्लेऑफ में प्रवेश चुकी मुम्बई सिटी एफसी के कप्तान और गोलकीपर अमरिंदर सिंह ने कहा है कि टीम की मानसिकता ही इस सीजन में उनकी ताकत रही है।

मुंबई सिटी एफसी ने रविवार को बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान को 2-0 से हराकर लीग चरण का टेबल टॉपर बनने का गौरव हासिल कर लिया है। इसके साथ ही मुंबई सिटी एफसी ने एएफसी चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। साथ ही उसने लीग शील्ड का भी खिताब अपने नाम कर लिया। मुम्बई सिटी एफसी को अब पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में शुक्रवार (5 मार्च) को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चौथे स्थान पर रहने वाली मेजबान एफसी गोवा का सामना करना है। इस सीजन अब तक नौ क्लीन शीट अपने नाम रखने वाले गोलकीपर अमरिंदर ने कहा, यह मुंबई सिटी से जुड़े हर एक शख्स के लिए गर्व का पल है, चाहे वह दस्ते हो, स्टाफ या हमारे अविश्वसनीय प्रशंसक जिन्होंने इस मुश्किल सीजन में हमें मुंबई और भारत भर में घर से समर्थन दिया है। क्लब के लिए एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने का एक बहुत बड़ा अवसर है और हमें खुशी है कि पूरे सीजन में हमारी कड़ी मेहनत दिखी। मैं पिछले पांच सीजन से मुंबई सिटी के साथ रहा हूं और क्लब के साथ इस सफलता का हिस्सा बनना मेरे लिए एक विशेष आकर्षण होगा। 27 साल के अमरिंदर ने इस सीजन में मुम्बई सिटी की सफलता का श्रेय कोच सर्जियो लोबेरा को दिया है। उन्होंने कहा, इस सीजन

में हमारी मानसिकता ही हमारी ताकत रही है। यहां अपने पविार से दूर और बिना दर्शकों के खेलना तथा बायो सिक्योर बबल में रहना आसान नहीं है।

सीजन के दौरान हमारे समक्ष कई मुश्किलें आई, लेकिन हमने उसका मुकाबला किया एक परिवार के रूप में अपनी एकजुटता दिखाई। मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने आईएसएल में मुम्बई सिटी एफसी की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी।

मुक्केबाजी - पूजा रानी सेमीफाइनल में, लवलीना बोरगोहेन हारी

नई दिल्ली : एशियाई चैम्पियन पूजा रानी (75 किलो) स्पेन के कास्टेलोन में चल रहे 35वें बॉक्सेम अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि दो बार की विश्व कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (69 किलो) क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। बुधवार को देर रात खेले गए मुकाबलों में रानी ने इटली की असुंता कैनफोरा को हराया। इससे पहले एम सी मैरीकॉम (51 किलो), सिमरनजीत कौर (60 किलो) और जास्मीन (57 किलो) अंतिम चार में पहुंच चुकी है। रानी तीन बार की एशियाई पदक विजेता और 2014 एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता है। तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी लवलीना को रूस की सादम दालगातोवा ने 5-0 से हराया। एशियाई कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन (57 किलो) भी इटली की इरमा तीस्ता से 5-0 से हारकर बाहर हो गई।

आरटीओ कार्यालय में करीब एक हजार पद खाली

गांधीनगर ।

गुजरात विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है । बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में प्रश्नकाल के दौरान गुजरात सरकार के दावे की पोल खुल गई । अभी कल ही सरकार ने दावा करते हुए कहा था कि अगले पांच सालों में २ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी । प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेसी विधायक ने गुजरात में मौजूद आरटीओ कार्यालय में भर्ती को लेकर सवाल किया था । इसका जवाब देते हुए राज्य सरकार ने बताया कि १,२०३ आरटीओ कार्यालय में रिक्तपद भर दिया गया है । जबकि ९८९ पद खाली है । गुजरात में जहां एक तरफ दिन प्रतिदिन बेरोजगी बढ़ती जा रही है वहीं राज्य के आरटीओ कार्यालय में लगभग ४५% पद खाली है । वर्षों से आरटीओ कार्यालय में बड़ी संख्या में रिक्तियों के कारण नागरिकों को समय पर प्रशासनिक सेवाएं नहीं मिलती हैं । इतना ही नहीं योग्य उम्मीदवारों को नौकरी भी नहीं मिलती है । अहमदाबाद की आरटीओ कार्यालय में राज्य में सबसे अधिक १५४ रिक्तियां हैं । सूरत में भी ८३ पद खाली हैं । राजकोट ५७, कच्छ ५४, बनासकांठा ५३ और वलसाड में ५१ पद खाली है । गुजरात में बढ़ती बेरोजगारी के बीच सरकारी नौकरी ९८९ पद खाली हैं । अहमदाबाद में एक तरफ सबसे अधिक रिक्तियां हैं और दूसरी ओर सबसे अधिक भर्ती भी अहमदाबाद में हुई है । अहमदाबाद आरटीओ कार्यालय में १८० रिक्त पद भरे गए हैं । सूरत में ९३ रिक्तियां भरी गई हैं । जबकि बनासकांठा में भी ८३ रिक्तपद भरे गए हैं ।

छोटू वसावा ने बीजेपी की जीत पर खड़ा किया सवाल

राजपिपणा ।

गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में चारो तरफ भाजपा ने अपना भगवा लहरा दिया है । शानदार जीत के बाद भाजपा पूरे गुजरात में जश्न मना रही है । लेकिन कांग्रेस, बीटीपी और अन्य राजनीतिक दल भाजपा की जीत पर सवाल उठा रहे हैं । बीटीपी के प्रमुख छोटूभाई वसावा और बीटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश वसावा ने कहा कि यह भाजपा की जीत नहीं बल्कि ईवीएम का कमाल है । छोटूभाई वसावा ने कहा, "अगर लोकसभा चुनाव में वीवीपेट होता है तो स्थानीय निकाय चुनाव क्यों नहीं । यह भाजपा की धोखाधड़ी करने की साजिश है । मुझे नहीं पता कि मैंने किसे वोट दिया है । हम इस मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे । नगर निगम चुनाव के नतीजे पहले लाकर भाजपा चाहती थी कि इस नतीजे से लोगों के दिमाग पर असर पड़े । यह सरकार या भाजपा की जीत नहीं है बल्कि ईवीएम का कमाल है । गुजरात में घर-घर शराब पाई जाती है । पुलिस मतदान के लिए शराब की पोटली लेकर घूमती है । बीटीपी नेताओं ने कहा यह भाजपा की जीत नहीं बल्कि श्वङ्करू का कमाल है । छोटूभाई वसावा ने आगे कहा कि देश की जनता भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है ।

सरकार यह दिखाना चाहती है कि देश में महंगाई ही नहीं है । लेकिन लोगों को खाने के लिए खाना नहीं मिलता है, बच्चे कुपोषित पैदा होते हैं, देश में महंगाई की मार चरम सीमा पर है । मुझे नहीं पता कि जनता ऐसी सरकार का चुनाव कैसे करेगी । अगर ईवीएम की जगह बैलेट पेपर होता है, तो जनता दिखा देती कि वह किसके साथ है । वहीं इस मामले को लेकर क्क्षक्क के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश वसावा ने कहा कि लोगों के विभिन्न मुद्दे, देश में महंगाई और किसानों के आंदोलन की वजह से भाजपा की जीत पर संदेह जताया जा रहा है । हमें लोकतंत्र के अनुसार परिणाम नहीं मिला है । ईवीएम की वजह से भाजपा को कामयाबी मिली है । हम अनुसूची ५, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और इको सेंसिटिव जोन के मुद्दे पर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे । इस परिणाम से हमें कोई फर्क नहीं पड़ने वाला । लेकिन यह लोकतंत्र को समाप्त करने की भाजपा की साजिश है ।

अहमदाबाद शहर के कई क्षेत्रों में पानी की कटौती होगी

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और मध्य जोन में गुरुवार को पानी की कटौती की घोषणा की गई है । जिसकी वजह से अहमदाबाद के कई क्षेत्रों को आज पानी नहीं मिलेगा । कोतरपुर वर्कस में पाइपलाइन में हुई लीकेज की रिपेरिंग काम चल रहे होने से अहमदाबाद के कई क्षेत्रों में आज पानी की कटौती होगी । यानी कि यह क्षेत्र के लोगों को पानी की तंगी सामना करना पड़ेगा । अहमदाबाद में उत्तर, पूर्व, दक्षिण और मध्य जोन में आज शाम को पानी नहीं । क्योंकि आज कोतरपुर वोटर वर्कस में पाइपलाइन में हुई लीकेज की रिपेरिंग काम किया जाएगा । नरोडा-सीटीएम तरफ लाइन कनेक्शन-रिपेरिंग कामकाज की वजह से पानी आपूर्ति ठप रहेगी । आज अहमदाबाद शहर में पानी की कटौती होगी । जिसके अनुसार उत्तर, दक्षिण, पूर्व और मध्य जोन में पानी नहीं आयेगा । इस मामले में एएमसी के सिटी इंजीनियर हरपालसिंह झाला ने बताया कि, अहमदाबाद के ४ जोन के १०० से ज्यादा वोटर डिस्ट्रीब्युशन सेंटर पर असर होगा । कोतरपुर वोटर ट्रीटमेंट प्लांट आधारित कई सप्लाई लाइन में काम किया जाएगा । नरोडा, सीटीएम तरफ लाइन कनेक्शन-रिपेरिंग के कामकाज की वजह से पानी आपूर्ति ठप रहेगी । इसी वजह से गुरुवार को सुबह में निश्चित जत्था से कम पानी आपूर्ति मिलेगी ।

हालांकि, यह क्षेत्रों में कामकाज बाद पानी दिया जा सकता है । शाम को उपलब्ध जत्थे के अनुसार पानी दिया जाएगा । असर होने वाला वोटर डिस्ट्रीब्युशन सेंटर पर बोर चालू करके पानी मिले ऐसा प्रयास होगा । शुक्रवार को सुबह में उपलब्ध जत्थे के अनुसार पानी दिया जाएगा ।

मेयर पद के लिए चेतन परमार, हिमांशु वाणा के नाम की चर्चा

अहमदाबाद नगर निगम चुनावों में भाजपा अपना भगवा लहराने में एक बार फिर से कामयाब हुई है

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद नगर निगम चुनावों में भाजपा अपना भगवा लहराने में एक बार फिर कामयाब हुई है । जिसके बाद बहस शुरू हो गई है कि अहमदाबाद का महापौर कौन बनेगा । अहमदाबाद नगर निगम पहले ढाई साल के लिए एससी आरक्षित है । वासणा के नगरसेवक हिमांशु वामा और खोखरा के पार्षद चेतन परमार का नाम अहमदाबाद मेयर के रूप में जारी चर्चा में सबसे ऊपर चल रहे हैं । इसके अलावा मेयर के रेस में डॉ । चंद्रकांत चौहान और राजेंद्र सोलंकी के नाम भी चर्चा में हैं । भारतीय जनता पार्टी ने अहमदाबाद नगर निगम में शानदार जीत दर्ज की है । १९२ सीटों में से भाजपा को १५९ सीटें मिलीं । हिमांशु वाणा को अहमदाबाद का मेयर बनने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है । मिल रही जानकारी के अनुसार पार्टी उनके नाम पर मुहर लगा सकती है इसलिए उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ दी है । हिमांशु BJYM से जुड़े हैं ।

नाम पर होने वाली चर्चा के बीच हिमांशु वाणा ने कहा, "पार्टी मुझे जो जिम्मेदारी देगी उसे पूरा करने के लिए तैयार हूं । खोखरा वार्ड से चेतन परमार भी अहमदाबाद के मेयर पद के लिए दौड़ में सबसे आग चल रहे हैं । चेतन परमार मूल कांग्रेसी हैं लेकिन १० साल पहले कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे । चेतन परमार का अहमदाबाद शहर के महासचिव कमलेश पटेल के साथ अच्छे संबंध और दोस्ती है । चेतन परमार ने मेयर बनने के लिए लॉबिंग भी शुरू कर दी है । चेतन परमार ने पहली बार अहमदाबाद नगर निगम चुनाव लड़कर जीत हासिल कर चुके हैं । गौरतलब है कि गुजरात निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा सभी ६ नगर निगमों में देखने को मिला । अहमदाबाद नगर निगम में भाजपा ने नतीजों को एक तरफा बना दिया और ४८ वार्ड की कुल १९२ सीटों में से १५९ पर जीत दर्ज की । वहीं पहली बार गुजरात में चुनाव लड़ रही एआईएमआईएम को ७ और कांग्रेस २५ को सीटें मिलीं । जबकी एक निर्दलीय उम्मीदवार को कामयाबी मिली ।

गुजरात की पूर्व मंत्री वसु बेन त्रिवेदी कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद ।

गुजरात की पूर्व मंत्री वसु बेन त्रिवेदी तथा उनके परिवार के सदस्य कोरोना संक्रमित हुए हैं । सभी सदस्यों को कोविड-१९ स्पेशल अस्पताल में भर्ती कराया गया है । गुजरात सरकार ने महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्री रही वसुदेव त्रिवेदी तथा उनके परिवार के सदस्य नरेंद्र भाई त्रिवेदी, दक्ष भाई त्रिवेदी तथा अभि बेन त्रिवेदी के कोरोना संक्रमित होने की खबर है ।

गुजरात में हाल ही संपन्न हुए स्थानीय निकाय चुनाव में लगातार सक्रिय रही वसुदेव त्रिवेदी कोरोना से संक्रमित हो गई थी । बीते कुछ दिन में शारीरिक स्वच्छता तथा बीमारी के लक्षण नजर आने पर उनका कोरोना टेस्ट किया गया जो पॉजिटिव निकला । बाद में उनके परिवार के सभी सदस्यों का भी कोरोना टेस्ट किया गया । वसु बेन सहित परिवार के ४ सदस्य कोरोना संक्रमित पाए गए हैं । सभी को जामनगर के स्पेशल कोविड-१९ अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है ।

२० रुपये के लिए दोस्त ने दोस्त की हत्या कर दी

सूरत ।

सूरत शहर में दिन हो और हत्या की घटना बनती है । शहर में हत्या के मामले में लगातार बढ़ने की वजह से पुलिस सक्रिय हो गई है । शहर में हत्या की और एक घटना हुई है । मिली जानकारी के अनुसार २० रुपये की लेनदेन में युवक की हत्या कर दी गई है । ओडिशा के हम निवासी दो युवकों के साथ शराब पीने के बाद २० रुपये की लेनदेन में झगड़ा किया । झगड़े के दौरान नशे की हालत में एक युवक ने दूसरे युवक को पहली मंजिल से धक्का देने से वह नीचे गिर गया था और मौत हुई थी । इस केस में पुलिस ने शराब के नशे में युवक को धक्का देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है । सूरत जैसे कि क्राइम राजधानी बन रही हो ऐसे मामले रोजाना सामने आते रहते है । अब सूरत शहर में सिर्फ २० रुपये के लिए हत्या की गई है । सूरत के सचीन में स्थित पाली गांव में डॉक्टर राजेन्द्र की चाल में कई युवक रहते थे और मिल में मजदूरी करके वतन में रहते परिवार को आर्थिक मदद करते थे । जिसमें से अधिकतर युवक ओडिशा के हैं । जिसमें बबलू गौडा अपने पड़ोस में रहते उत्तम धनंजय मोहंती दोनों शराब पीने के लिए बैठे थे । शराब पीकर यह दोनों युवक के बीच २० रुपये की लेनदेन में झगड़ा शुरू हुआ था । देखते ही देखते में झगड़े ने उग्र रूप ले लिया और उत्तम ने पहले पहली मंजिल से बबलू को धक्का दे दिया । नीचे गिरने की वजह से बबलू के शरीर में गंभीर चोटें आई थी । गंभीर चोटें आई इसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था । हालांकि, उपचार के दौरान इसकी मौत हो गई थी । घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंच गई और हत्या का अपराध दर्ज करके मृतक का दोस्त ऐसा उत्तम धनंजय मोहंती को

गिरफ्तार किया गया । उल्लेखनीय है कि सूरत शहर में अक्सर हत्या, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ के मामले बनते हैं । जिसे लेकर पुलिस ने एक्शन प्लान भी तैयार किया है । हालांकि, अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं हो इस तरह रोजाना अपराध के मामले सामने आ रहे है ।

जुआ खेलते पिता-बेटे सहित १९ शकुनी गिरफ्तार

राजकोट ।

राजकोट शहर क्राइम ब्रांच द्वारा अलग-अलग तीन जगहों पर जुए के अड्डे पर छापेमारी करके पिता-बेटे सहित कुल १९ शकुनी को गिरफ्तार किया गया है । जिसके तहत क्राइम ब्रांच ने दो लाख रुपये से ज्यादा का मालसामान जब्त किया है ।

राजकोट शहर पुलिस कमिश्नर मनोज अग्रवाल द्वारा शहरभर में चल रही गैरकानूनी प्रवृत्तियों को खत्म करने के लिए क्राइम ब्रांच, एसओजी तथा अलग-अलग पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों को आदेश दिया गया है । जिसके तहत राजकोट क्राइम ब्रांच की टीम ने अलग-अलग तीन जगहों पर छापेमारी करके १९ आरोपियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया है । बातचीत में क्राइम ब्रांच के पीआई विरल गढवी ने बताया कि, पीएसआई युबी जोगराणा की टीम को जानकारी मिली थी कि, गोंडल रोड एसटी वर्कशोप के पीछे आंबेडकर नगर गली नंबर १० के कोने हिना पान के बगल में स्थित आवास मकान में कई लोग इकट्ठा होकर तीन पत्ती का जुआ खेल रहे है । तब क्राइम ब्रांच की टीम को मिली जानकारी के आधार पर छापेमारी करने पर घटनास्थल से ८ आरोपी मिल गये । जिनके पास से नकद १,२१,००० रुपया जब्त किया गया । क्राइम ब्रांच के पीएसआई एमवी रबारी और उनकी टीम के प्रतिपालसिंह

झाला और एभलभाई को पेट्रोलिंग के दौरान जानकारी मिली थी कि, कालावड रोड पर स्थित नए डेढ सौ फीट रिंग रोड के पास स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड पंडित दीनदयाल नगर रंगोली पार्क के क्वार्टर में कई लोग इकट्ठा होकर तीन पत्ती का जुआ खेल रहे है तब क्राइम ब्रांच को मिली जानकारी के आधार पर छापेमारी करने पर घटनास्थल से ८ लोगों को गिरफ्तार किया गया । जिनके पास से ८० हजार से भी ज्यादा की नकद रकम जब्त किया गया था । अब सभी आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट की धारा चार-पांच के अनुसार अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है ।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की जय चैरा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया

बोर्ड ऑफ स्टडीज सीए में पढ़ने वाले छात्रों के लिए काम करता है

सूरत।

सूरत शहर के नमकीत सीए जय चयरा के करियर में एक और श्रेय जुड़ गया है । उन्हें सीए सीए क्षेत्र में केंद्रीय परिषद के सदस्य हैं, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं, और अब उन्हें लॉबी से बोर्ड ऑफ स्टडीज का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के लिए भी बधाई दी जा रही है । इस अवसर पर बोलते हुए, जय चैरा ने कहा कि वह अपने अध्ययन बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है ।

बोर्ड ऑफ स्टडीज के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, जय चैरा ने कहा कि बोर्ड ऑफ स्टडीज प्रदान किया गया है । बोर्ड ऑफ स्टडी सीए और छात्र दोनों प्रश्नों के लिए काम करता है । बोर्ड ऑफ स्टडी का मूल उद्देश्य सीए छात्रों के लिए है । विस्तृत जानकारी देते हुए । इस बारे में उनका कहना है कि सीए के अध्ययन में लंबे और अल्पकालिक बदलाव किए जा रहे हैं, पाठ्यपुस्तकों में त्रुटियों का सुधार, अध्ययन सामग्री सेट और एमसीक्यू और प्रश्न बैंक की तैयारी । छात्रों के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज बहुत उपयोगी होगा । सीए के छात्रों के हितों के बारे में सूचित करने के अलावा, जय चायरा ने अपने लक्ष्य के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी और कहा कि उनकी अगली दृष्टि एक केस स्टडी बैंक तैयार करने में है । इसके अलावा, आभासी कक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करना भी संभव है जिसके माध्यम से छात्र ऑनलाइन अध्ययन कर सकते हैं, व्याख्यान और अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी अध्ययन बोर्ड के माध्यम से कवर किए जाते हैं ।

सीए जय चैरा के प्रयासों से छात्रों को 100 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई

इस प्रकार, सीए के लिए अध्ययन अन्य शुल्क की तुलना में बहुत सस्ता है । इसके बावजूद, पिछले साल छात्रों के लाभ के लिए जरूरतमंद छात्रों को 100 करोड़ रुपये का एक कोष आवंटित किया गया था । इस फंड की सुविधा का लाभ सीए के छात्रों ने भी उठाया । सीएसीए जय चयरा ने छात्रों के लिए 100 करोड़ रुपये की बड़ी राशि के लिए भी प्रयास किए, जिसमें वह सफल भी रहे ।

गुजरात की महिला कॉप्स नजर आएंगी बड़े पर्दे पर

सूरत।

हिंदी मूवीज में कॉप यूनिवर्स हमेशा से ही पुरुषों पर हावी रहा है । लेकिन अब इस समय में महिला रुपी नई ताकत, थ्रिल के लिए तैयार है, जो इस विषय को लेकर यथा उचित है ।

महिला वीरता की सबसे बड़ी कहानियों में से एक, पूर्ण रूप से बड़े पर्दे पर अपना प्रभाव डालने के लिए तैयार है । वर्ष 2019 की बात है, जब गुजरात में एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) की एक महिला टीम ने राज्य के सबसे खूँख़ार अपराधियों में से एक को पकड़ा । यह एटीएस द्वारा किए गए सबसे खतरनाक मिशंस में से एक था । फिल्म संतोक ओडेदरा, नित्मिका गोहिल, अरुणा गमेती और शकुंतला मल द्वारा किए जाने वाले ऑपरेशन का नेतृत्व करती है । ये चारों महिलाएं अलग-अलग पृष्ठभूमि से हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व जोखिम में डालकर एक डकैत को सफलतापूर्वक पकड़ा ।

गुजरात के एंटी-टेररिज्म स्क्वाड के डीआईजी हिमांशु शुक्ला ऐसे शख्स थे, जिन्होंने इन चारों महिलाओं को मिशन की कमान सौंपी थी । वे कहते हैं, "खूँख़ार अपराधी को पकड़ने में महिला टीम की सफलता सभी को यही बताती है कि पुलिसिंग में महिलाओं के साथ भेदभाव निराधार पुरुषवाद है । यह एक बहुत ही खतरनाक ऑपरेशन था और मुझे इसमें सफल होने वाली महिला टीम पर गर्व है । मुझे खुशी है कि इस बहादुर प्रयास को अब बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा ।"

इस ऐतिहासिक ऑपरेशन में चारों महिलाओं की सहायता करने वाले पुलिस इंस्पेक्टर जिग्नेश अग्रवाल थे, जिनके ग्राउंड इंटेलिजेंस में एक्सपर्टाइज ने टीम का मार्गदर्शन किया । चारों महिला नायिकाओं के लिए कास्टिंग अभी प्रगति पर है । फिल्म की शूटिंग वर्ष 2021 के मध्य में शुरू की जाएगी । डायरेक्टर आशीष आर मोहन कहते हैं, "इन बहादुर महिलाओं की इस प्रेरक सच्ची कहानी को बड़े पर्दे पर लाना वास्तव में मेरे लिए बेहद गर्व की बात है ।" इस अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित यह एक्शन-थ्रिलर, संजय चौहान (पान सिंह तोमर) द्वारा लिखा जा रहा है और आशीष आर मोहन द्वारा डायरेक्ट किया जा रहा है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित । कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)